संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-21 अंक- 23
पृष्ठ 8
बुधवार
09 अक्टूबर 2024
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक–उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध– दांतो से आता है खून तो....

विचार– झारखंड में भाजपा के लिए एक.....

खेल– दबदबा बरकरार रखने उतरेगा भारत....

मिशन शक्ति 5.0

योगी सरकार की अनूठी पहल

लखनऊ,(एजेंसी)। मिशन शक्ति 5.0 के तहत परिषदीय व केजीबीवी की बेटियों को अनूठा अवसर दिया जाएगा। इन छात्राओं को ब्लॉक, तहसील, जिला और मंडल स्तर पर एक दिन का अधिकारी बनाया जाएगा। योगी सरकार के मिशन शक्ति 5.0 अभियान को बल देने के लिए बेसिक शिक्षा विभाग ने एक महत्वपूर्ण पहल की है। प्रदेश की परिषदीय और कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों (केजीबीवी) की छात्राओं को प्रशासनिक कार्यों और जिम्मेदारियों से अवगत कराने के साथ–साथ उनमें आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता का विकास करने के लिए उन्हें एक दिन का अधिकारी नियुक्त किया जाएगा। प्रदेश की बेटियों के सशक्तिकरण के लिए योगी सरकार की ओर से की गई इस महत्वपूर्ण पहल के तहत प्रत्येक जिले से 100 और कुल 7500 बेटियों को एक दिन का अधिकारी बनने का अवसर मिलेगा। इससे इनमें निपुणता और नेतृत्व क्षमता का विकास होगा। इसकी योजना तैयार कर ली गई है। बनेंगी डीएम, सीडीओ, बीएसए प्रदेश सरकार के बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह ने बताया कि इस योजना का उद्देश्य बालिकाओं को प्रशासनिक जिम्मेदारियों का अनुभव देना और उनके आत्मविश्वास व नेतृत्व गुणों का विकास करना है। चयनित बालिकाएं डीएम, सीडीओ, बीएसए, खंड विकास अधिकारी, तहसीलदार, डीआईओएस जैसे पदों पर एक दिन के लिए कार्य करेंगी। कासगंज की टॉपर भूमिका और संभल की शालू पहले ही इस योजना के तहत एक दिन की जिलाधिकारी बन चुकी हैं, जिन्होंने सफलतापूर्वक अपने कर्तव्यों का निर्वहन किया। सरकार का यह प्रयास बेटियों को आत्मनिर्भर बनाने के साथ–साथ समाज में उनके योगदान को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। लीडरशिप का भाव होगा जाग्रत उन्होंने बताया कि चयन प्रक्रिया में उन बालिकाओं को प्राथमिकता दी जाएगी, जो अपनी निपुणता के लिए जानी जाती हैं और जिनमें लीडरशिप के गुण निखर कर सामने आ रहे हैं। इस कार्यक्रम में सभी जाति, वर्ग और श्रेणियों की बालिकाओं को समान अवसर प्रदान किया जाएगा। सरकार का यह प्रयास बेटियों को आत्मनिर्भर बनाने और उन्हें प्रशासनिक कार्यों की जमीनी समझ देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

सरकार ने 11 राज्यों के लिए प्रति हेक्टेयर 1,000 किलो कपास उपज का लक्ष्य निर्धारित किया–गिरिराज

नयी दिल्ली । केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि सरकार ने 11 शीर्ष कपास उत्पादक राज्यों में प्रति हेक्टेयर 1,000 किलोग्राम कपास उपज का लक्ष्य निर्धारित किया है क्योंकि इसका उद्देश्य महाराष्ट्र के अकोला में अपनाए गए सबसे अच्छे खेती के तौर–तरीकों को दोहराना है। कपास उत्पादन का अकोला मॉडल, जिसे उच्च घनत्व रोपण (एचडीपीएस) मॉडल के रूप में भी जाना जाता है, एक ऐसी तकनीक है जिसमें कम जगह में अधिक कपास के पौधे लगाए जाते हैं।

कपास की पैदावार बढ़ाने के लिए अकोला में इस मॉडल का इस्तेमाल किया जा रहा है और उम्मीद है कि पूरे देश में इसकी नकल की जाएगी। मौजूदा समय में भारत की उपज लगभग 450 किलो प्रति हेक्टेयर है जो चीन, आस्ट्रेलिया और ब्राजील जैसे प्रतिस्पर्धी देशों से काफी कम है। गुजरात, महाराष्ट्र, तेलंगाना, राजस्थान, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, हरियाणा, मध्य प्रदेश, पंजाब और ओडिशा भारत के शीर्ष कपास उत्पादक राज्यों में से हैं। सिंह ने कहा, ''हमने महाराष्ट्र के अकोला में अपनाये गये बेहतर तौर–तरीकों के आधार पर कपास उत्पादन के लिए एक मॉडल तय किया है और उसे विकसित किया है। यह सच है कि दुनियाभर में जापान, ब्राजील, ऑस्ट्रेलिया, चीन में 2,000–2,200 किलोग्राम कपास पैदावार होती है, जिसमें से 35 प्रतिशत कपास का उत्पादन होता है, जबकि हमारा उत्पादन 450–500 किलोग्राम ही है।''

अति आत्मविश्वास ठीक नहीं, हरियाणा में कांग्रेस की हार पर केजरीवाल ने कसा तंज

नई दिल्ली। हरियाणा में शुरुआती रुझानों में भाजपा की बढ़त और कांग्रेस की हार पर आप संयोजक अरविंद केजरीवाल ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि चुनाव परिणामों का सबसे बड़ा सबक यह है कि चुनावों में कभी भी ष्अति आत्मविश्वासीष नहीं होना चाहिए। भाजपा हरियाणा में आसान जीत की ओर बढ़ रही है। हरियाणा में 90 विधानसभा सीटों में से 50 सीटों पर आगे चल रही है। कई सीटों पर नतीजे भी आ गए हैं। अरविंद केजरीवाल का यह बयान ऐसे वक्त में आया है जब हरियाणा में भाजपा स्पष्ट बहुमत की सरकार बनाती दिखाई दे रही है। केजरीवाल ने आप नगर निगम पार्षदों की एक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि देखते हैं हरियाणा में परिणाम क्या आते हैं। इसका सबसे बड़ा सबक यह है कि चुनावों में कभी अधिक आत्मविश्वासी नहीं होना चाहिए। किसी भी चुनाव को हल्के में नहीं लिया जाना चाहिए। हर चुनाव और हर सीट पर चुनाव जीतना कठिन होता है। हरियाणा में कांग्रेस के साथ चुनाव से पहले गठबंधन करने में आप नाकाम रही थी, क्योंकि सीटों की संख्या को लेकर दोनों दलों में मतभेद था। कांग्रेस की ओर से नौ सीटें दिए जाने की मांग ठुकराने के बाद आप ने हरियाणा की कुल 90 सीटों में से 89 सीटों पर अकेले चुनाव लड़ा। आप उम्मीदवार लगभग सभी सीटों पर भाजपा और कांग्रेस के अपने प्रतिद्वंद्वियों से पीछे हैं। केजरीवाल ने इससे पहले हरियाणा में चुनाव प्रचार के दौरान कहा था कि आप के समर्थन के बिना राज्य में कोई सरकार नहीं बनेगी। उन्होंने पार्टी पार्षदों से अगले साल फरवरी में होने वाले दिल्ली विधानसभा चुनावों के लिए कड़ी मेहनत करने और यह सुनिश्चित करने के लिए कहा। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली विधानसभा चुनाव में आपकी सबसे महत्वपूर्ण भूमिका होगी। हम चुनाव जीतेंगे, बशर्ते आप सुनिश्चित करें कि आपके क्षेत्रों से कूड़े का उचित संग्रह और निपटान हो, जो कि एक बहुत ही बुनियादी बात है।

कांग्रेस–एनसीपी की तरफ से घोषित सीएम प्रत्याशी का समर्थन करेगी शिवसेना, उद्धव ठाकरे का एलान

मुंबई। महाराष्ट्र के पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे ने कहा है कि महाराष्ट्र को बचाने के लिए शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे/यूबीटी) कांग्रेस और एनसीपी (शरद पवार /एसपी) की तरफ से सीएम के रूप में घोषित किए जाने वाले किसी भी चेहरे का समर्थन करेगी। उन्होंने भाजपा पर निशाना साधते हुए दावा कि सरकार विज्ञापनों की मदद से महाराष्ट्र में फर्जी और गलत खबरें प्रसारित करा रही है। बता दें कि इसी साल के अंत में महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव कराए जा सकते हैं। चुनाव आयोग की टीम प्रदेश का दौरा कर सभी घटकों से उनकी राय ले चुकी है। विधानसभा का कार्यकाल समाप्त होने से पहले यानी दिसंबर महीने से पहले ही चुनाव प्रक्रिया पूरी कराई जानी है। ऐसे में राज्य की सियासी सरगर्मियां काफी तेज हैं। मुंबई में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व सीएम उद्धव ने कहा कि अगले महीने संभावित विधानसभा चुनाव से ठीक पहले महाराष्ट्र सरकार विज्ञापनों के माध्यम से राज्य में फर्जी कहानियां गढ़ रही है। उन्होंने सरकार पर विश्वासघात करने के लिए मजबूर करने का आरोप भी लगाया। उद्धव ने कहा, महायुति सरकार सरकार लड़की बहन योजना के माध्यम से जनता को उनका ही पैसा देकर महाराष्ट्र धर्म से विश्वासघात करने पर मजबूर कर रही है। सरकार पर कटाक्ष करते हुए ठाकरे ने कहा, इस योजना के तहत राज्य में पात्र महिलाओं को 1,500 रुपये दिए जाते हैं।

महाराष्ट्र में इस बार सियासी मुकाबला बेहद दिलचस्प होने के आसार हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि लगभग 25 महीने पहले जून, 2022 में महाविकास अघाड़ी (MVA) सरकार गिरी थी। इसके बाद भाजपा समर्थित सरकार बनी। शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (NCP) के दो–फाड़ होने के बाद राज्य में पहली बार विधानसभा चुनाव होंगे। महाराष्ट्र की 288 सदस्यीय विधानसभा में फिलहाल राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (NDA) की सरकार के पास 202 विधायकों का समर्थन है। 102 विधायकों के साथ भाजपा सबसे बड़ी पार्टी है। अजीत पवार की अगुवाई वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (NCP) के 40 विधायक हैं। एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के 18 विधायक हैं। 14 निर्दलीय विधायकों ने भी एनडीए सरकार को समर्थन दिया है। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की सरकार को पांच अन्य छोटे दलों का समर्थन भी हासिल है। इसके अलावा विपक्षी खेमे (महाविकास अघाड़ी– MVA) में कुल 71 विधायक हैं। विपक्ष में कांग्रेस 37 विधायकों के साथ सबसे बड़ी पार्टी है। इसके अलावा पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे नीत शिवसेना के 16 विधायक हैं। वरिष्ठ राजनेता शरद पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (NCP-SP) के 12 विधायक हैं। समाजवादी पार्टी के दो, सीपीआईएम और पीडब्लूपीआई के एक–एक विधायक हैं। ऑल इंडिया मजलिस–ए–इत्तेहादुल मुस्लिमीन (AIMIM) के दो विधायक भी विपक्षी खेमे में हैं। 15 विधानसभा सीटें खाली हैं।

बता दें कि उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल के बाद देश की तीसरी सबसे बड़ी विधानसभा महाराष्ट्र है। 2019 में हुए पिछले आम चुनावों के बाद महाराष्ट्र और झारखंड में भी मुख्यमंत्री बदलने की नौबत आई।ऐसे में अब दोनों राज्यों के राजनीतिक चौसर पर तमाम जनप्रतिनिधियों की अग्निपरीक्षा होगी।

हरियाणा की जनता ने कांग्रेस को नकारा

खट्टर बोले– हमने पहलवानों, किसानों और युवाओं के लिए किया काम

हरियाणा विधानसभा चुनाव ने राजनीतिक पूर्वानुमानों को झुठलाते हुए एक आश्चर्यजनक परिणाम दिया है। रुझानों के अनुसार, सत्तारूढ़ भाजपा को 90 सीटों वाली हरियाणा विधानसभा में लगभग 5व सीटें जीतने की संभावना है। भाजपा ने इसको लेकर जश्न मनाना शुरू कर दिया है। केंद्रीय मंत्री और हरियाणा के पूर्व सीएम मनोहर लाल खट्टर का भी बयान सामने आया है। मनोहर लाल खट्टर ने कहा कि मुद्दा (चुनाव का) यह था कि हमने हरियाणा के पहलवानों, किसानों, युवाओं के लिए जो काम किया है, वह कांग्रेस कभी नहीं कर सकती। खट्टर ने आगे कहा कि मैं बस इतना कहना चाहता हूं कि इस जीत का श्रेय हमारी पार्टी के कार्यकर्ताओं और राज्य के लोगों को जाता है। हमारे सीएम ने पहले ही कहा था ष्एक दिन आएगा जब जनता देगी जवाब और कांग्रेस एक ही बात कहेगी कि ईवीएम खराब है। उन्होंने कहा कि जनता ने कांग्रेस पार्टी को नकार दिया है। जनता ने यह संदेश दिया है कि पीएम मोदी की नीतियों का राज्य की जनता पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। हरियाणा में यह रिकॉर्ड है कि कोई पार्टी तीसरी बार सत्ता में आई है।

नायब सिंह सैनी ने अपने बयान में कहा कि मैं लाडवा की जनता और हरियाणा की 2.80 करोड़ आबादी को धन्यवाद देना चाहता हूं। इस जीत का श्रेय पीएम मोदी को जाता है। हरियाणा की जनता ने पीएम मोदी की नीतियों पर मुहर लगा दी है। सैनी ने कहा कि मैं प्रमाणपत्र लेने जाऊंगा और फिर ज्योतिसर मंदिर में भगवान कृष्ण की पूजा करूंगा। हरियाणा की 2.80 करोड़ जनता ने इस सरकार को चुना है और हम पीएम मोदी के नेतृत्व में आगे बढ़ेंगे। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने साफ तौर पर कह दिया है कि एक मोदी सब पर भारी हैं। उन्होंने कहा कि हम ष्एक मोदी सब पर भारीष के नतीजे देख रहे हैं। उन्होंने कहा कि हरियाणा के लोगों ने उन्हें (राहुल गांधी) सबक सिखा दिया है।ष उन्हें राहुल गांधी के बयानों पर नहीं बल्कि पीएम मोदी पर भरोसा है। सभी किसान और पहलवान हमारे साथ हैं। भाजपा नेता ने कहा कि हमने जम्मू–कश्मीर में भी कांग्रेस पार्टी को हराया है। वे भाजपा के सामने कहीं नहीं टिकते। उन्होंने (राहुल गांधी) फारूक अब्दुल्ला का समर्थन किया। बवानी खेड़ा विधानसभा सीट से बीजेपी के प्रमुख उम्मीदवार कपूर सिंह ने कहा कि मैं जीत गया हूं क्योंकि लोगों ने मुझे अपना समर्थन दिया है। लोगों ने साबित कर दिया है कि जो काम करता है वह कभी नहीं हारता। उन्होंने कहा कि मैं लोगों के बीच रहा हूं..लोगों ने मुझे अपना आशीर्वाद दिया है।

'भारत के संविधान में ताकत है

मुम्बई,(एजेंसी)। फडणवीस ने कहा कि ये हमने दिखा दिया... जो लोग कहते थे कि धारा 370 हटाएंगे तो खून कि नदियां बहेंगी। खून की नदियां तो छोड़िए लोगों ने संवैधानिक प्रक्रिया में सहयोग दिया और सहभागिता दिखाई। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि किस प्रकार से वहां(जम्मू–कश्मीर) स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव हो रहा है और इस प्रकार से पाकिस्तान का अधिप्रचार वहां से खत्म हो गया। भारत में ताकत है, भारत के संविधान में ताकत है और भारत के चुनाव आयोग में ताकत है कि हम स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव करवा सकते हैं। ये हमने दिखा दिया... जो लोग कहते थे कि धारा 370 हटाएंगे तो खून कि नदियां बहेंगी। खून की नदियां तो छोड़िए लोगों ने संवैधानिक प्रक्रिया में सहयोग दिया और सहभागिता दिखाई। जम्मू कश्मीर में नेशनल कॉन्फ्रेंस– कांग्रेस गठबंधन के सरकार बनाने की संभावना है। मंगलवार को रुझानों में गठबंधन ने 90 में से 51 सीट पर बढ़त बना ली है जबकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) 28 सीट पर आगे है। नेशनल कॉन्फ्रेंस और भाजपा की झोली में अब तक दो – दो सीट आई है।

चेन्नई के एयर शो में नहीं गरजेगा मिग 21,आखिरी बार प्रयागराज में किया था अभूतपूर्व प्रदर्शन

प्रयागराज। चेन्नई में मंगलवार आठ अक्तूबर को मनाए जा रहे भारतीय वायुसेना के 92 वें स्थापना दिवस पर आयोजित एयर शो में राफेल, सुखोई समेत तमाम विमान अपना जलवा दिखाएंगे, लेकिन वहां मिग 21 एयर शो का हिस्सा नहीं बनेगा। ऐसा इसलिए क्योंकि पिछले वर्ष आठ अक्तूबर को प्रयागराज में आयोजित एयर शो में ही इस लड़ाकू विमान को विदाई दे दी गई थी। इस वजह से देश की चौकसी में तैनात रहा मिग 21 लड़ाकू विमान वहां के आसमान नहीं दिखेगा। खास बात यह है कि चेन्नई में आयोजित एयर शो में प्रयागराज स्थित मध्य वायु कमान मुख्यालय के कई जांबाज पॉयलट लड़ाकू विमान के माध्यम से अपना हुनर वहां दिखाएंगे। सुरक्षा की दृष्टि से वायुसेना ने इन जांबाज पॉयलटों के नाम अभी जारी नहीं किए हैं। मंगलवार को चेन्नई के आसमान में जो विमान अपना हैरत अंगेज प्रदर्शन करेंगे उसमें ये कुछ की कंट्रोलिंग मध्य वायु कमान मुख्यालय से की जा सकती है। राफेल के साथ एएन –32, सुखोई–30, जुगआर, तेजस, अपाचे विमान प्रयागराज, ग्वालियर आदि वायु सेना स्टेशनों से चेन्नई के लिए उड़ाए जा सकते हैं। हालांकि वायुसेना की ओर से इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।बता दें देश की चौकसी में पिछले कई वर्ष से तैनात मिग–21 बाइसेन को प्रयागराज में आठ अक्तूबर 23 को आयोजित एयर शो के माध्यम से विदाई दी गई थी। यह विमान जब अंतिम बार संगम के ऊपर उड़ा तो वह सूर्य अस्त होने की दिशा की ओर गया। तब यहां मिग–21 के सम्मान में राफेल विमान द्वारा उसे एस्कार्ट दिया गया। भारतीय वायु सेना के एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह का प्रयागराज से रिश्ता रहा है। मध्य वायु कमान मुख्यालय में वह एयर मार्शल पद का दायित्व निभा चुके हैं। एक जुलाई 2022 से 31 जनवरी 23 तक यहां उनकी तैनाती रही। फिलहाल एयरफोर्स डे के मौके पर बमरौली स्थित मध्य वायु कमान मुख्यालय में वायु योद्धाओं की परेड कार्यक्रम का ही आयोजन इस बार किया गया है। मध्य वायु कमान मुख्यालय की बात करें तो कारगिल आदि युद्ध में इसकी अहम भूमिका रही। बिहार एवं अन्य स्थानों पर आने वाली बाढ़ के दौरान राहत एवं बचाव कार्य में भी मध्य वायु कमान मुख्यालय की भूमिका रहती है। प्रयागराज में वायुसेना का ऐसा एकमात्र सेंटर है जहां बेसिक फ्लाइंग ट्रेनिंग स्कूल (बीएफटीएस) है। बमरौली स्थित इस ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट में ही हेलीकॉप्टर पॉयलटों का प्रशिक्षण होता है। यह प्रशिक्षण पांच माह का रहता है। यहां 200 से ज्यादा आर्मी एविएटर्स कोर्स हो चुके हैं। इस दौरान जवानों ने पांच महीने के दौरान कठोर उड़ान और जमीनी प्रशिक्षण दिया जाता है। बता दें एचपीटी–32 विमान पर पायलटों को प्रारंभिक प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए 16 दिसंबर 1987 को इसकी स्थापना हुई। यहां पांच जुलाई 1999 से भारतीय वायुसेना के फ्लाइट कैडेटों को तैयार करने के साथ भारतीय सेना, नौसेना और तटरक्षक बल के अफसरों को प्रशिक्षित करना शुरू हुआ। हेलीकॉप्टर पर भारतीय सेना के अफसरों को प्रारंभिक उड़ान प्रशिक्षण देने के लिए 26 दिसंबर 2005 बीएफटीएस चेतक हेलीकॉप्टरों से सुसज्जित किया गया।

तीसरी और छठवीं की अंग्रेजी की किताब में दिखेगी यूपी की झलक

प्रयागराज। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) ने इस सत्र में तीसरी और छठवीं की किताबों में बदलाव कर दिया है। किताबें बाजार में आ गई हैं। अब उसे यूपी के परिवेश में बदला जाएगा। उसके बाद लागू कर दिया जाएगा। अंग्रेजी की किताब में बदलाव के लिए आंग्ल भाषा शिक्षण संस्थान (ईएलटीआई) में कार्यशाला शुरू हो गई है। यूपी बोर्ड के विद्यालयों में एनसीईआरटी की किताबें 2019 से लागू कर दी गई हैं। अब जूनियर कक्षाओं में भी यह किताबें चलेंगी। पिछले वर्ष एनसीईआरटी ने कक्षा एक और दो की किताबों में बदलाव किया था। उस बदलाव के बाद उन किताबों को यूपी के परिवेश में लिखा गया। उसमें यूपी से जुड़े तथ्य जोड़े गए। इस सत्र के शुरू होने से पहले यह बदलाव कर दिया गया और किताबें चला दी गईं। इस सत्र में एनसीईआरटी ने कक्षा तीन और छह की किताबें बदली हैं। यह किताबें परिषदीय विद्यालयों में अगले सत्र से लागू की जाएगी। उससे पहले दोनों कक्षाओं में भाषा (हिंदी और अंग्रेजी) व सामाजिक विषय की किताबों में बदलाव किया जाएगा। सत्र 2025 शुरू होने से पहले इन किताबों को तैयार करना है। आंग्ल भाषा शिक्षण संस्थान के प्रधानाचार्य स्कंद शुक्ल ने बताया कि अंग्रेजी की किताबों में यह देखा जा रहा है कि यूपी के बच्चों के लिए क्या जरूरी है। किताबों को चाइल्ड फ्रेंडली बनाया जाएगा। कठिन शब्दों के अर्थ हिंदी में लिखे जाएंगे। पढ़ाने के लिए शिक्षकों को गाइडलाइन देंगे। बदलाव के लिए कार्यशाला कई दिन तक चलेगी। इसमें परिषदीय विद्यालयों, केंद्रीय विद्यालयों, सीबीएसई के विद्यालयों और यूनिवर्सिटी के शिक्षकों का सहयोग लिया जाएगा।

स्वरूपरानी अस्पताल में तीमारदारों के लिए अब शुरू होगी पास सुविधा

प्रयागराज। स्वरूपरानी अस्पताल में एक हफ्ते के अंदर पास की सुविधा शुरू हो जायेगी। इसके लिए सोमवार को ही अस्पताल प्रशासन ने पांच हजार पास छपने के लिए भेजा है। नई व्यवस्था के तहत अब मरीज के साथ सिर्फ एक ही तीमारदार हॉस्पिटल में रुक सकेगा। वहीं आईसीयू में एक मरीज के साथ दो तीमारदारों के रुकने का प्रस्ताव अस्पताल प्रशासन की तरफ से भेजा गया है। विदित हो कि रविवार को प्रमुख सचिव चिकित्सा स्वास्थ्य और परिवार कल्याण पार्थ सारथी सेन शर्मा ने स्वरूप रानी अस्पताल का दौरा किया था। इस दौरान उन्होंने पास की सुविधा जल्द लागू करने के निर्देश दिए थे। इस कड़ी में सोमवार को अस्पताल प्रशासन की तरफ से पांच हजार पास छपने के लिए दिए गए हैं, ताकि मरीजों की सुरक्षा बेहतर हो सके। अस्पताल प्रशासन के अनुसार, मरीजों और तीमारदारों की सुविधा तथा भीड़ से बचाव के लिए पास की सुविधा शुरू की जा रही है। इससे अस्पताल की साफ–सफाई और अन्य व्यवस्थाओं में भी आसानी होगी।

राम बरात में शराब के नशे में धुत युवक का हंगामा

प्रयागराज। कटरा में राम बरात के दौरान सोमवार रात नशे में धुत युवक ने जमकर बवाल काटा। शोभायात्रा में घुसकर गालीगलौज शुरू कर दी। रोकने पर पुलिसकर्मियों से भी अभद्रता की। मारपीट व धक्कामुक्की भी शुरू कर दी। इसके बाद पुलिस ने भी उसे जमकर पीटा और फिर थाने ले गई। घटना सोमवार देर रात हुई। कटरा रामलीला की ओर से राम बरात निकली गई थी। इसमें कई चौकियां शामिल थीं। राम बरात अभी कटरा में पीला शिवाला के पास पहुंची थी कि तभी नशे में धुत एक युवक इसमें घुस गया और गालीगलौज करने लगा। रोकने की कोशिश करने पर राम बारात में शामिल आयोजन कमेटी के लोगों से ही उलझ गया। पुलिसकर्मियों ने रोका तो धक्कामुक्की और मारपीट शुरू कर दी। हिरासत में लेने की कोशिश पर पुलिसकर्मियों पर ही हमला बोल दिया। इसके बाद पुलिस ने भी उसे जमकर पीटा और थाने उठा ले गई। थाने में देर रात तक आरोपी से पूछताछ की जाती रही फिलहाल वह इस कदर नशे में था कि अपना नाम तक नहीं बता पाया। डीसीपी अभिषेक भारती ने बताया कि युवक नशे में धुत था और गाली गलौज करने से रोकने पर पुलिसकर्मियों से ही अभद्रता करने लगा। उसके खिलाफ विधिक कार्रवाई की जाएगी।

जेई पर प्रतियोगी छात्रा से दुष्कर्म, गर्भपात कराने में केस

प्रयागराज। कैंट में रहने वाली प्रतियोगी छात्रा ने दुष्कर्म, जबरन गर्भपात कराने के आरोप में विद्युत विभाग में तैनात जेई पर केस दर्ज कराया है। आरोप है कि शादी का झांसा देकर उससे दुष्कर्म किया गया। बाद में आरोपी शादी से मुकर गया और बदनाम करने की धमकी दी।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा **मूल लाइसेंस NPB राइफल लाइसेंस संख्या 10548** थाना घूरपुर प्रयागराज की किताब वास्तव मे खो गया है।

मथुरा प्रसाद गुप्ता
पुत्र शत्रुघन प्रसाद गुप्ता,
निवासी चकसेमरा बोंगी थाना घुरपुर प्रयागराज,
मो. 9424314957, एल. सं. 10548

अब शाही की जगह राजसी और पेशवाई के स्थान पर छावनी प्रवेशय महाकुंभ में बदले गए गुलामी के प्रतीक

प्रयागराज। मुगलकालीन गुलामी के प्रतीक शाही स्नान और पेशवाई दोनों की जगह सोमवार को नए सनातनी नाम अखाड़ा परिषद ने तय कर लिए। साथ ही इस संबंध में लिखित प्रस्ताव सरकार को भेज दिया है। लंबे विचार विमर्श के बाद पेशवाई की जगह छावनी प्रवेश और शाही स्नान को राजसी स्नान नाम दिया गया। अब महाकुंभ के रिकॉर्ड में पेशवाई और शाही शब्दों को बदलने का एलान सरकार की ओर से दीपावली के बाद किए जाने के संकेत मिले हैं। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद ने शब्दों को बदलने के लिए सोमवार को दिनभर चिंतन किया। अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रवींद्र पुरी और महामंत्री महंत हरी गिरी के साथ अन्य पदाधिकारियों ने विद्वानों से लिए गए सुझाव पर विस्तार से चर्चा की। इसके बाद 20 से अधिक सुझाव में से दो विकल्पों का चयन किया गया। इसमें शाही स्नान को राजसी स्नान करने और पेशवाई को छावनी प्रवेश किए जाने पर मोहर लगाई गई। अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष ने कहा कि संत समाज और विद्वानों से लिए गए सुझाव में से दो नाम चुने गए हैं। उन्होंने कहा की दीपावली के बाद प्रयागराज में अखाड़ा परिषद की बैठक होनी है। उनका कहना है कि उस बैठक के बाद चयनित नए नामों का आधिकारिक एलान होगा। सूत्रों का कहना है की दीपावली बाद योगी आदित्यनाथ खुद प्रयागराज आकर गुलामी के प्रतीक इन दोनों शब्दों को बदलकर नए नामों का एलान करेंगे।

'दहेज हत्या का मुकदमा चलाने के लिए लिव इन में रहना ही पर्याप्त आधार', इलाहाबाद हाईकोर्ट ने खारिज की याचिका

प्रयागराज। लिव इन रिलेशन में रहने वालों पर भी दहेज हत्या व दहेज उत्पीड़न का मुकदमा चलाया जा सकता है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक मामले की सुनवाई करते हुए कहा कि दहेज हत्या के मुकदमे के लिए पति–पत्नी की तरह रहना ही पर्याप्त आधार है। न्यायमूर्ति राजबीर सिंह की कोर्ट ने आदर्श यादव के आवेदन को खारिज करते हुए यह आदेश दिया। प्रयागराज के कोतवाली थाने में 2022 में आवेदक आदर्श यादव पर दहेज हत्या व दहेज उत्पीड़न की धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया गया था। आरोप था कि उसने दहेज के लिए उसके साथ लिव इन में रहने वाली युवती को प्रताड़ित किया। इससे तंग आकर पीड़िता ने आत्महत्या कर ली। पुलिस ने जांच कर कोर्ट में आरोप पत्र दाखिल किया। वहीं, आवेदक ने ट्रायल कोर्ट में डिस्चार्ज आवेदन दाखिल किया, जिसे खारिज कर दिया गया। आवेदक ने इसे हाईकोर्ट में चुनौती दी। आवेदक के अधिवक्ता ने दलील दी कि आवेदक कानूनी रूप से पीड़िता का पति नहीं था इसलिए उसपर दहेज हत्या व दहेज उत्पीड़न का मुकदमा नहीं चलाया जा सकता। वहीं, अपर शासकीय अधिवक्ता ने दलील दी कि आवेदक के साथ मृतिका की शादी अदालत के माध्यम से हुई थी। दहेज के लिए आवेदक मृतिका को प्रताड़ित करता था। इसलिए आवेदक के घर में ही पीड़िता ने आत्महत्या कर ली थी। मृतका और आवेदक का विवाह वैध था या नहीं, इसकी जांच केवल मुकदमे के दौरान ही की जा सकती है। कोर्ट ने रिकॉर्ड पर उपलब्ध साक्ष्यों व दलीलों को सुनने के बाद कहा कि विधायी मंशा इस तथ्य से स्पष्ट है कि केवल पति ही नहीं बल्कि उसके रिश्तेदार भी दहेज हत्या के अंतर्गत आते हैं। कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के फैसलों का हवाला देते हुए कहा कि भले ही यह मान लिया जाए कि मृतका कानूनी रूप से विवाहित पत्नी के दायरे में नहीं आती, लेकिन रिकॉर्ड पर पर्याप्त सबूत हैं कि आवेदक और मृतका पति–पत्नी के रूप में एक साथ रह रहे थे। इसलिए दहेज हत्या के प्रावधान लागू होंगे। कोर्ट ने आवेदन खारिज कर दिया।

संगम नोज पर 60 फीसदी कम हो गया क्षेत्र, कराई जाएगी ड्रेजिंग

प्रयागराज। गंगा नदी की दिशा बदलने की वजह से संगम नोज पर स्नान क्षेत्र को लेकर भी संकट खड़ा गया है। स्नान क्षेत्र में 60 फीसदी की कमी आ गई है। अब ड्रेजिंग करके संगम नोज से शास्त्री ब्रिज के बीच चौनल तैयार करने का निर्णय लिया गया है, जिस पर 19.21 करोड़ रुपये से अधिक खर्च होंगे। सिंचाई विभाग की ओर से कराए गए सर्वे में पाया गया है कि गंगा नदी अपनी दाहिने किनारे (परेड) की तरफ 200 से 500 मीटर तक स्थानांतरित हो गई है। इसके अलावा कटान की भी समस्या खड़ी हो गई है। संगम नोज पर सर्कुलेटिंग एरिया में कुंभ 2019 की तुलना में 60 फीसदी की कमी हो गई है। जबकि, महाकुंभ 2025 में दोगुने स्नानार्थियों के आने की उम्मीद है। इसे देखते हुए गंगा में ड्रेजिंग करके 150 से 175 मीटर चौड़ा चौनल बनाने का निर्णय लिया गया है। ड्रेजिंग का काम संगम नोज से शास्त्री तक किया जाएगा। इसके अलावा भी कई अन्य कार्य कराए जाएंगे। इसके लिए आईआईटी गुवाहाटी के विशेषज्ञों की मदद ली गई है। प्रयागराज। सभी 13 अखाड़ों में मेला प्रशासन के साथ अन्य सभी विभागों के नोडल अधिकारी नियुक्त किए जाएंगे। इस बाबत मेलाधिकारी विजय किरन आनंद ने सोमवार को सभी विभागों को आदेश जारी किया। संतों ने रविवार को मुख्यमंत्री से वार्ता के दौरान सभी अखाड़ों में नोडल अधिकारी नियुक्त करने की मांग की थी। ताकि, उनके शिविरों तथा आश्रमों में पेयजल, सीवर, सफाई, बिजली आदि विभागों से संबंधित समस्याओं एवं जरूरतों का तत्काल समाधान हो सके। इस पर मुख्यमंत्री ने इस पर सहमति जताई थी। मेलाधिकारी विजय किरन आनंद ने बताया कि सभी विभागों से प्रत्येक अखाड़ों में नोडल अधिकारी नियुक्त करने के लिए कहा गया है। इसे लेकर पत्र भी जारी कर दिया गया है। विभागों के नोडल अधिकारी संबंधित अखाड़ों के लगातार संपर्क में रहेंगे। प्रयागराज।

महाकुंभ–2025 शीर्ष समिति की बैठक अब मंगलवार को लखनऊ में होगी। पहले यह बैठक प्रयागराज में चार अक्तूबर को प्रस्तावित थी लेकिन रविवार को मुख्यमंत्री का आगमन होने के कारण शीर्ष समिति की बैठक स्थगित कर दी गई थी। अब यह बैठक मंगलवार को होगी। इसमें 160. 53 करोड़ रुपये के 22 कार्यों के प्रस्तावों को मंजूरी मिलने की उम्मीद है। इसमें सबसे अधिक नगर निगम के आठ तथा लोक निर्माण विभाग के तीन काम शामिल हैं।

प्रयागराज रीजन की बसों से होगी लोगो लगने की शुरुआत

प्रयागराज। महाकुंभ मेले का लोगो सबसे पहले यूपी रोडवेज की बसों में लगाया जाएगा। इसकी शुरुआत प्रयागराज रीजन की बसों से होगी। परिवहन निगम प्रयागराज रीजन की बसों में इसी माह से लोगो लगाना शुरू करेगा। इसके बाद वाराणसी, लखनऊ और अयोध्या रीजन की बसों में इसे लगाया जाएगा। यह चरण पूरा होने के बाद प्रदेश के अन्य रीजन की बसों में भी महाकुंभ का लोगो लगेगा। रोडवेज की तैयारी है कि नवंबर तक प्रदेश के सभी रीजन में चल रही रोडवेज की बसों में महाकुंभ का लोगो लगा दिया जाए। इसके अलावा सूबे के सभी बस स्टेशनों के पूछताछ कार्यालय एवं अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर भी महाकुंभ मेले का लोगो लगाया जाएगा। प्रयागराज रीजन के सिविल लाइंस, जीरो रोड, प्रतापगढ़, मिर्जापुर, मंझनपुर बस स्टेशन के प्रमुख स्थानों पर सबसे पहले लोगो लगाने का काम होगा।

वहीं, महाकुंभ के दौरान शहर में 550 शटल बसों चलेंगी। इसमें 350 बसें यूपी रोडवेज की एवं सिटी ट्रांसपोर्ट सेवा के तहत चल रहीं 200 ई–बसें शामिल हैं।

इन बसों के माध्यम से रोडवेज मेले की ब्रांडिंग करेगा। इन बसों में महाकुंभ के लोगो के साथ ही कुंभ से जुड़ी तस्वीरें भी होंगी। बसों के बाहरी हिस्से में विनायल रैपिंग के माध्यम से महाकुंभ की ब्रांडिंग वाली इन तस्वीरों को लगाया जाएगा। इसकी शुरुआत शहर में चल रही 50 ई–बसों से होंगी।

झलवा घुंघरू चौराहे पर रेल कोच फंसा, लगा जाम

प्रयागराज। सूबेदारगंज रेलवे स्टेशन पर बनाए जाने वाले रेल कोच रेस्टोरेंट के लिए सड़क मार्ग से एक एसी रेल कोच को ले जा रहा ट्रेलर झलवा घुंघरू चौराहे पर मुड़ने के दौरान फंस गया। इस वजह से वहां लंबा जाम लग गया। शाम पांच बजे के बाद दो क्रेन की मदद से वहां किसी तरह से आवागमन के लिए रास्ता खोला जा सका। बताया जा रहा है कि सूबेदारगंज रेलवे स्टेशन पर रेल कोच रेस्टोरेंट खुलना है। इसके लिए एक निजी फर्म को रेलवे ने पुराना एसी कोच आवंटित किया। सूबेदारगंज स्टेशन के यार्ड से उस कोच को क्रेन की मदद से एक बड़े ट्रेलर पर लोड किया गया। इसके बाद ट्रेलर उसे लेकर सूबेदारगंज रेलवे स्टेशन के लिए बढ़ा। ट्रेलर पर रेल कोच देखने के लिए वहां काफी लोगों की भीड़ भी जमा हो गई। घुंघरू चौराहे के पास जब ट्रेलर मुड़ा तो वह डिवाइडर और चौराहे के बीच में लगे यूनीपोल पर फंस गया। इस वजह से वहां एक ओर से रास्ता बाधित हो गया। उसी दौरान आसपास के स्कूलों की छुट्टी होने से लोग डिवाइडर के दूसरे छोर से गुजरने लगे। एक ही लेन पर दोनों ओर के वाहन आने के कारण जाम लग गया। इससे समस्या बढ़ गई। हालांकि, जैसे तैसे लोग वहां से धीमे–धीमे निकलते रहे। इसके बाद मौके पर दो क्रेन भेजी गईं। किसी तरह शाम पांच बजे के बाद ट्रेलर वहां से हटाया जा सका। उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज मंडल के पीआरओ अमित कुमार सिंह का कहना है कि जिस फर्म को रेल कोच आवंटित किया गया है उसे आज कोच सौंपा गया था। वह अपने साधन से उसे लेकर जा रहा था। वहीं, दूसरी ओर बताया जा रहा है कि सूबेदारगंज स्टेशन पहुंचने वाले मार्ग की हालत खराब होने की वजह से देर शाम तक रेल कोच लदा ट्रेलर सड़क किनारे ही खड़ा रहा।

दुष्कर्म के दोषी सगे भाइयों को सात वर्ष की सजा

प्रयागराज। जिला न्यायालय ने छात्रा के अपहरण और दुष्कर्म के मामले में सगे भाइयों को दोषी करार देते हुए सात वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। इसके साथ ही कोर्ट ने प्रत्येक पर 19 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया है। यह फैसला कुमारी अनीता प्रथम अपर विशेष न्यायाधीश पॉक्सो ने सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी राहुल मिश्र को सुनकर व पत्रावली का अवलोकन करने का बाद किया। प्रयागराज के थाना उतरांव में 25 जुलाई 2013 की रात वादी मुकदमा की पुत्री का अपहरण कर लिया गया था। छात्रा उस समय 12वीं में पढ़ती थी। अभियोजन पक्ष के अनुसार सराय हुसे उतरांव निवासी सगे भाइयों शैलेंद्र कुमार पटेल व अशोक कुमार पटेल ने शादी का झांसा देकर छात्रा का अपहरण किया और दुष्कर्म के बाद हत्या कर दी। संबंधित थाने में अभियोजन पक्ष ने आरोपितों पर अपहरण, दुष्कर्म व पॉक्सो की धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया। अदालत ने दोनों पक्षों के वकीलों की दलीलों को सुनने व साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों को दोषी करार देते हुए सात वर्ष के कारावास की सजा सुनाई।

हाईकोर्ट में दशहरे की छुट्टी, अब 15 से होगी मामलों की सुनवाई

इलाहाबाद हाईकोर्ट में नवरात्र और दशहरा की छुट्टी हो गई है। हाईकोर्ट 14 अक्तूबर तक बंद रहेगा। ऐसे में जिन फ्रेश दाखिल केसों की सुनवाई कोर्ट में नहीं हो सकी है। उनकी सुनवाई अब 15 अक्तूबर से होगी। हाईकोर्ट कैलेंडर के अनुसार, दशहरा व दिवाली की छुट्टी की वजह से इस बार अक्तूबर में मात्र 13 दिनों के लिए ही हाईकोर्ट खुलेगा। वहीं, केंद्रीय प्रशासनिक अधिकरण में भी दशहरा व दिवाली की छुट्टी के लिए अधिसूचना जारी कर दी गई है। इसके अनुसार, 10 और 11 अक्तूबर को दशहरा की छुट्टी रहेगी। इसके साथ ही दिवाली की छुट्टी 31 अक्तूबर को छोड़कर 28 अक्तूबर से एक नवंबर तक रहेगी। अवकाश के दौरान रजनीश कुमार राय सदस्य (न्यायिक) की आवश्यक पीठ 30 अक्तूबर को आवश्यक मामलों की सुनवाई करेगी। अवकाश के दौरान सुबह 10रू30 से दोपहर 01रू30 बजे तक केवल आवश्यक आवेदन लिए जाएंगे। उप रजिस्ट्रार एसके श्रीवास्तव ने इस संबंध में पत्र जारी किया है।

ट्रेलर ने मोटरसाइकिल को मारी टक्कर, चालक की मौत

प्रयागराज। नैनी–मिर्जापुर मार्ग पर एक दर्दनाक हादसे में मोटरसाइकिल सवार शिवकुमार तिवारी (45) की मौत हो गई। शिवकुमार की मोटरसाइकिल को पीछे से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रेलर ने टक्कर मार दी। टिकरी लावायन, थाना औद्योगिक क्षेत्र के निवासी शिवकुमार ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसा टीएसएल गेट के सामने हुआ, और सूचना मिलने पर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। पोस्टमॉर्टम के लिए शव को एसआरएन अस्पताल भेज दिया गया। चालक रामू (पुत्र विश्वनाथ निवासी पुरे फकीरे सिंहपुर, थाना शिवरतनगंज, जनपद अमेठी) को गिरफ्तार कर ट्रेलर को थाना परिसर में खड़ा कर दिया गया। मृतक के परिजनों को सूचित करने के बाद विधिक कार्यवाही की गई।

उप–मुख्यमंत्री ने महाकुम्भ को लेकर की स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा

प्रयागराज। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने मंगलवार को सर्किट हाउस में महाकुम्भ को लेकर चिकित्सा स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा विभाग की समीक्षा की। औपचारिक परिचय के बाद उन्होंने सबसे पहले अपर निदेशक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण डॉ. राकेश शर्मा से मेला क्षेत्र में प्रस्तावित 100 बेड के अस्थाई अस्पताल के निर्माण की जानकारी प्राप्त की। कहा कि नवंबर के पहले सप्ताह में फिर आऊंगा तब तक आवश्यक कार्य पूरे हो जाएं। मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. वत्सला मिश्रा ने मेडिकल कॉलेज में हो रहे निर्माण कार्य की जानकारी दी। उप मुख्यमंत्री ने महाकुंभ के लिए प्रस्तावित सभी कार्य योजना को समय से पूर्ण करने का निर्देश दिया। इस मौके पर सीएमओ डॉ. आशु पांडेय, टीबी अस्पताल, कॉल्विन, डफरिन के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक से कार्य प्रगति की जानकारी प्राप्त की। पर किसी की तैनाती नहीं की गई तो कुमार गौरव का ट्रांसफर रोकने की सिफारिश की गई। फिलहाल वाराणसी जलकल के महाप्रबंधक पद पर भी किसी की तैनाती नहीं की गई है।

लावारिस 'सामर्थ्य समेत 70 बच्चों की गूंज रही किलकारी

प्रयागराज। खुल्दाबाद स्थित बाल संरक्षण गृह में बच्चों की गूंजती किलकारी ऐसे बच्चों की है, जो लावारिस हैं। इनके माता–पिता यहां उनकी देखभाल करने वाले कर्मचारी हैं। बाल संरक्षण गृह में नवजात शिशुओं से लेकर आठ साल तक 71 बच्चे हैं। इनमें 30 लड़के और 41 लड़कियां हैं। इन्हें लोक लाज या अन्य कारणों से लावारिस छोड़ दिया गया। नवजात शिशुओं में वह लावारिस 'सामर्थ्य भी शामिल है,

लोकपाल की जन सुनवाई व संवाद कार्यक्रम रहा जारी

सांगीपुर, बेलखरनाथ, मांधाता व सदर के जागरूक नागरिकों ने दर्ज कराई अपनी शिकायत व सुझाव

9 अक्टूबर को सांगीपुर ब्लाक का निरीक्षण करेंगे लोकपाल

प्रतापगढ़। लोकपाल मनरेगा समाज शेखर की जन सुनवाई व संवाद कार्यक्रम विकास भवन में दिशा की बैठक के बीच भी जारी रहा। सांगीपुर, बेलखरनाथ, मांधाता व सदर के जागरूक नागरिको ने दर्ज अपनी शिकायत व सुझाव दर्ज कराया। परैया नदी में खुदाई के बाद जल स्तर तेजी से गिरने व ठहराव हेतु चेक डैम बनाने की मांग सम्भाव फाउंडेशन के प्रभात पांडेय ने की।

लालगंज तहसील के सांगीपुर ब्लाक के गादियान ग्राम पंचायत से राम मिलन सरोज ने ग्राम पंचायत के प्रधान व सचिव के विरुद्ध परिवाद दर्ज कराया। उन्होंने आरोप लगाया की २०२० से लगातार ग्राम में मनरेगा योजना में बंदर बाँट हो रही है। वहीं मांधाता के पूरे लाल ग्राम पंचायत के दशरथ कुमार शर्मा ने ग्राम में मनरेगा मजदूरों की सूची में अनियमितता की शिकायत करते हुए सूची ग्राम के पंचायत भवन में चस्पा कराने की मांग की। उन्होंने सूची का बेरीफिकेशन की भी मांग की। युवा पत्रकार अंजनी तिवारी व सदर ब्लाक के परशुरामपुर के अमन शर्मा ने लोकपाल से मुलाकात कर मनरेगा के सम्बन्ध में आवश्यक सुझाव दिया।

लोकपाल समाज शेखर मनरेगा कार्यो में अनियमितता के सम्बन्ध में संजय गिरी द्वारा दर्ज कराये गए परिवाद की जांच हेतु स्वयम सांगीपुर ब्लाक के सांगीपुर(भैरवन धाम)ग्राम व ब्लाक मुख्यालय 9 अक्टूबर को जायेंगे। बीडीओ को जांच हेतु लोकपाल ने निर्देश दिया था परंतु समय बीत जाने के बाद आख्या न आने पर लोकपाल ने स्वयम जांच कर कार्यवाही का निर्णय लिया साथ ही लापरवाही बरतने वाले मनरेगा कर्मियों के विरुद्ध कार्यवाही का निर्णय लेंगे।

लोकपाल की जन सुनवाई कार्यक्रम मे जिला अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी विनोद सिंह व समाजसेवी दुर्गेश तिवारी ने सहयोग प्रदान किया।

वीबीपीएस के अतुल गुप्ता का नेशनल बाक्सिंग में चयन

17 को खेलने जाएंगे हरियाणा

संदीपनघाट। सीबीएसई ईस्ट जोन 5 के बॉक्सिंग टूर्नामेंट में वाराणसी के हरी बंधु इंटरनेशनल स्कूल में 30 सितंबर से 5 अक्टूबर तक हुए खेल प्रतियोगिता में अंडर 48 में अतुल गुप्ता का रजत पदक के साथ नेशनल के लिए चयन हुआ है। इन्होंने अपने प्रतिद्वन्द्वी को हराकर सिल्वर मेडल पर कब्जा किया था। जबकि गोल्ड मेडल पर विष्णु भगवान पब्लिक स्कूल, झलवा के खिलाड़ी ने अपना दबदबा कायम रखा। वीबीपीएस काजीपुर से दो खिलाड़ी अंडर 57 में कार्तिक और अंडर 48 में अतुल गुप्ता गये थे। इसमें अतुल ने रजत पदक प्राप्त किया। यह अगली खेल प्रतियोगिता में जो 17 अक्टूबर से 20 अक्टूबर तक हरियाणा के एसडी सेन सेक्शन स्कूल, ककरला, तहसील महेन्द्रगढ़ में होगी, में भाग लेगा।

अतुल के नेशनल में चयन होने पर उत्थान संस्था के सचिव डॉक्टर केके तिवारी, अध्यक्ष धीरेन्द्र तिवारी और मैनेजिंग डायरेक्टर अभिषेक तिवारी, प्रधानाचार्य प्रीति मिश्रा, वरिष्ठ शिक्षक राकेश मालवीय, पीटीआई नकुल तिवारी आदि ने बधाई व शुभकामना दी है।

योगी सरकार गायों की सुरक्षा को लेकर गम्भीर

लखनऊ,(यूएनएस)। सड़क दुर्घटना रोकने के लिए गोवंशों के गले में गले में रेडियम की पट्टी बांधी जाएगी। प्रदेश के राजमार्ग सहित सभी प्रमुख सड़कों के समीप स्थित गांवों के किसानों और पशुपालकों के मवेशियों के गले में रेडियम की पट्टी लगाई जाएगी।इस मद में 50 लाख रुपये की राशि उत्तर प्रदेश गो संरक्षण एवं संवर्धन कोष नियमावली–2019 के तहत गठित आरक्षित कोष से व्यय होगी। इस संबंध में सोमवार को शासनादेश जारी कर दिया गया है। दुग्ध विकास विभाग के प्रमुख सचिव के रवींद्र नायक ने जिलाधिकारियों को जारी निर्देश में समाचार पत्रों, जनप्रतिनिधियों व अन्य माध्यमों से मिली जानकारी का हवाला देते हुए कहा है कि राष्ट्रीय राजमार्ग, राज्यमार्ग व मार्गों के समीप स्थित गांवों के पशुपालकों द्वारा गोवंशों को चराने के लिए चारागाह तक ले जाने के दौरान प्रायरू सड़क पार की जाती है।सड़क पार करने के दौरान बड़े पैमाने पर दुर्घटनाओं की सूचनाएं प्राप्त हो रहीं हैं। वाहनों से टकराने से गोवंश चोटिल हो रहे हैं। रेडियम पट्टी डाले जाने से गोवंश दूर से दिखाई दे सकेंगे, उनकी सुरक्षा के साथ ही सड़क पर आवागमन कर रहे लोग भी आकस्मिक दुर्घटना से सचेत और सतर्क रहेंगे। पशुधन विकास मंत्री धर्मपाल सिंह ने पशु चिकित्साधिकारियों को सप्ताह में दो दिन गौआश्रय स्थलों का निरीक्षण करने का निर्देश दिया है। समीक्षा बैठक में जिलों के नोडल अधिकारियों को भी उन्होंने आश्रय स्थलों का नियमित अंतराल पर निरीक्षण करने का निर्देश दिया। गौ संरक्षण केंद्रों की स्थापना का कार्य प्राथमिकता के आधार पर किया जाए और सभी अधूरे कार्य फरवरी–2025 तक पूर्ण किए जाएं। 7589 गोआश्रय स्थलों पर 12,08,088 निराश्रित गोवंश संरक्षित किए गए हैं। बैठक में पशुधन विभाग के प्रमुख सचिव के रवींद्र नायक, विशेष सचिव देवेंद्र पांडेय, पशुपालन विभाग के निदेशक डा. पीएन सिंह सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

प्रेमचंद की रचनाओं को आगे की पीढ़ी तक पहुंचाया जाना चाहिए : कुलश्रेष्ठ

प्रेमचंद का साहित्य समाज का अनमोल खजाना है : प्रेम कुमार

प्रतापगढ़। समहान कथाकार –उपन्यास सम्राट मुंशी प्रेमचंद की 88 वीं पुण्यतिथि राजकीय इंटर कॉलेज प्रतापगढ़ में मनाई गई स सर्वप्रथम उपस्थित लोगों ने मुंशी प्रेमचंद की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्पार्पण करके उन्हें नमन किया स इसके बाद कॉलेज में संगोष्ठी का आयोजन किया गया,जिसकी अध्यक्षता जनपद के वरिष्ठ कहानीकार प्रेम कुमार त्रिपाठी प्रेम ने किया स संगोष्ठी का संचालन साहित्यकार सुरेश नारायण द्विवेदी व्योम ने कियास इस मौके पर कॉलेज के प्रधानाचार्य कुलश्रेष्ठ त्रिपाठी ने कहा कि यह जिले का सौभाग्य है कि मुंशी प्रेमचंद के कदम इस धरती पर पड़े स प्रेमचंद की रचनाओं को आगे की पीढ़ी तक पहुंचाया जाना चाहिए स प्रेम कुमार त्रिपाठी ने कहा कि प्रेमचंद का बेल्हा में शुभ आगमन 21 सितंबर 1900 को हुआ स उनका वास्तविक लेखन 1901 में बेल्हा से ही शुरू हुआ स वे तालुकेदार राजा रघुनाथ प्रसाद सिंह के अजीत नगर स्थित ताला कोठी में रहा करते थे स प्रेमचंद के लेखन पर बेल्हा की बोली –बानी का गहरा प्रभाव पड़ा है स उनके सुप्रसिद्ध उपन्यास गोदान में यहाँ की भाषा शैली की झलक देखने को मिलती है स प्रेमचंद का साहित्य समाज का अनमोल खजाना है स उनका निधन 8अक्टूबर 1936 को सुबह साढ़े सात बजे के करीब बनारस में हुआ सकॉलेज के शिक्षक बृजेश कुमार मिश्र ने कहा कि प्रेमचंद की कहानी पढ़कर ही मैंने सिविल सेवा में हिंदी विषय चुना जबकि मैं अंग्रेजी का छात्र रहा स नुसरत अली ने मुंशी प्रेमचंद की प्रतिमा की जल्द ही पेंटिंग करा देने की बात कही स शिक्षक संतोष कुमार मिश्र ने कहा कि प्रेमचंद का संपूर्ण साहित्य कुरीतियों पर प्रहार करने वाला साहित्य है स इस मौके पर सभी ने प्रेमचंद की प्रतिमा पर छतरी लगवाने की मांग किया स कार्यक्रम में विकास अधिकारी राजीव कुमार आर्या शिक्षक गंगासागर उपाध्याय अशोक मौर्य एवं साहित्यकार श्री नाथ मौर्य श्सरसश्अमरनाथ गुप्ता बेजोड़ आदि मौजूद रहे।

सीएमपी महाविद्यालय में वाद विवाद प्रतियोगिता

प्रयागराज। सीएमपी . महाविद्यालय, प्रयागराज द्वारा, श्अखिल भारतीय हेमवती नंदन बहुगुणा स्मृति समितिश् के तत्वाधान में नेत्री स्वर्गीय कमला बहुगुणा की जन्मशताब्दी वर्ष पर दिनांक 19 अक्टूबर 2024 को एक वाद–विवाद प्रतियोगिता ष्क्या भारत में महिलाओं को आरक्षण देने से वास्तविक समानता हासिल की जा सकती है?ष् के प्रथम चरण का आयोजन किया जा रहा है। प्रतियोगिता के प्रथम चरण में उत्तीर्ण छात्र–छात्राएं, द्वितीय चरण (अंतिम चरण) के प्रतिभाग हेतु अर्ह माने जायेंगे, जो कि लखनऊ में नवम्बर के प्रथम सप्ताह में आयोजित की जायेगी। प्रतियोगिता के अंतिम चरण(द्वितीय चरण) के विजेताओं को निम्नलिखित पुरूस्कार प्रदान किये जायेंगे–

प्रथम पुरूस्कार– 51000 / – एवं ट्रॉफी
द्वितीय पुरूस्कार–31000 / – एवं ट्रॉफी
तृतीय पुरूस्कार–21000 / – एवं ट्रॉफी

द्वितीय चरण(अंतिम चरण) के समस्त प्रतिभागियों को 2100 / – एवं ट्रॉफी सांत्वना पुरस्कार स्वरूप प्रदान किया जाएगा।

अतः इस प्रतियोगिता में जो भी छात्र–छात्राएं प्रतिभाग करना चाहते हैं अथवा इससे संबंधित कोई जानकारी प्राप्त करना चाहते हैं वह सी.एम.पी. महाविद्यालय के प्राध्यापक प्रो. आभा सिंह(8317029055), प्रो. संतोष कुमार श्रीवास्तव(6306177449), डा. रविन्द्र प्रताप सिंह(9415607010) एवं डा. रेनू सिंह(9412526727) से संपर्क(जैंच) कर सकते हैं।

पति–पत्नी एक साथ बने आईपीएस

लखनऊ,(यूएनएस)। उत्तर प्रदेश में पति–पत्नी एक साथ आईपीएस अधिकारी बने हैं। योगी सरकार ने 24 पीपीएस अधिकारियों का प्रमोशन किया है,जिन अधिकारियों का प्रमोशन हुआ है, उनमें एक दम्पति शामिल है। ऐसा पहली बार हुआ है कि कोई पति–पत्नी एक ही सेवा में एक साथ प्रमोशन लेकर एक साथ आईपीएस बने हों। उत्तर प्रदेश पुलिस में प्रांतीय पुलिस सेवा यानि पीपीएस कैडर के 24 अफसरों के आईपीएस बनने का रास्ता साफ हो गया है। मुख्य सचिव, डीजीपी, संघ लोक सेवा आयोग के सदस्य की मौजूदगी में यह बैठक हो चुकी है। इस मामले में केंद्रीय गृह मंत्रालय से आदेश जारी हो जाएगा। लंबे समय से जो पीपीएस अधिकारी प्रमोशन का इंतजार कर रहे थे, उनमें बाराबंकी में एसपी सिटी के पद पर कार्यरत चिरंजीव नाथ सिन्हा और उनकी पत्नी एडिशनल एसपी रश्मि रानी भी शामिल थीं। इन दोनों अधिकारियों का योगी सरकार ने प्रमोशन कर दिया है। अब ये दोनों एक साथ प्रमोट होकर आईपीएस बनेंगे।1995–1996 बैच के अफसरों की डीपीसी बैठक हो गई है, जिन अधिकारियों को प्रमोशन मिला है, उनमें बजरंग बली, डॉ. दिनेश यादव, समीर सौरभ, मो. इरफान अंसारी, अजय प्रताप, नेपाल सिंह, अनिल कुमार, कमलेश बहादुर, राकेश कुमार सिंह, लाल भरत कुमार पाल, रश्मि रानी, अनिल कुमार यादव, संजय कुमार, शैलेन्द्र कुमार श्रीवास्तव, लक्ष्मी निवास मिश्र, राजेश कुमार श्रीवास्तव, चिरंजीव नाथ सिन्हा, विश्वजीत श्रीवास्तव, मनोज कुमार अवस्थी, अमृता मिश्रा, रोहित मिश्रा, शिवराम यादव, अशोक कुमार और दीपेंद्र नाथ चौधरी शामिल हैं।1993 बैच के पीपीएस अधिकारी संजय कुमार यादव की जांच लंबित है। संजय कुमार यादव की जांच लम्बित होने की वजह से उनके प्रमोशन के बाबत लिफाफा बंद रखा गया है।

सीतापुर रोड पर इलेक्ट्रॉनिक गोदाम में लगी भीषण आग, लाखों का माल जलकर खाक

लखनऊ,(यूएनएस)। राजधानी स्थित शेरपुर थाना क्षेत्र में मंगलवार सुबह भीषण आग लग गई। बताया जा रहा है कि यह आग एक इलेक्ट्रॉनिक गोदाम में सुबह करीब 4 बजे के बाद लगी। थोड़ी ही देर में आग ने भीषण रुप ले लिया और लगभग पूरा गोदाम ही धू–धू कर जलने लगा। वहीं स्थानीय लोगों को जैसे ही घटना की जानकारी हुई, तो उन्होंने इस बात की सूचना फायर ब्रिगेड को दी। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम और कई गाड़ियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया है। शेरपुर इलाके में एक इलेक्ट्रॉनिक कंपनी का बड़ा गोदाम है। फायर विभाग की तरफ से दी गई जानकारी में बताया गया है कि आज सुबह करीब 4.31 पर फायर स्टेशन बक्शी तालाब पर एक वेयरहाउस में आग लगने की सूचना मिली । जिसके तुरंत बाद फायर स्टेशन बक्शी तालाब से तीन फायर टैंकर मौके पर पहुंचे। जिस वेयरहाउस में आग लगी थी, उसमें फ्रिज, कूलर, एसी समेत अन्य इलेक्ट्रॉनिक सामान रखे हुए थे। फायर ब्रिगेड की टीम ने तत्काल राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। इतना ही नहीं मौके पर फायर स्टेशन आलमबाग , पीजीआई, इंदिरा नगर , चौक और हजरतगंज से एक– एक फायर टैंकर एवं हाइड्रोलिक प्लेटफार्म घटनास्थल पर बुलाये गये और कड़ी मशक्कत के बाद आग को बुझा दिया गया।

भाजपा ने साजिश और षड़यंत्र की सीमाएं पार कर दी हैः अखिलेश यादव

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा अपने राजनीतिक लाभ के लिए सत्ता का दुरूपयोग कर रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने साजिश और षड़यंत्र की सीमाएं पार कर दी है। जनता भाजपा की सत्ता लोलुपता समझ गयी है। भाजपा ने आम जनता, किसानों, नौजवानों, व्यापारियों, गरीबों के साथ विश्वासघात किया है। 2027 के विधानसभा चुनाव में जनता भाजपा को सत्ता से बाहर का रास्ता दिखाएगी। जनता भाजपा की कोई साजिश नहीं चलने देगी। भाजपा का आचरण जनविरोधी हैः अखिलेश पार्टी दफ्तर में कार्यकर्ताओं एवं नेताओं को संबोधित करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा का आचरण जनविरोधी है। अन्याय, अत्याचार चरम पर है। भाजपा संविधान और लोकतंत्र की मर्यादा को तार–तार कर रही है। लोगों के साथ भेदभाव हो रहा है। भाजपा सरकार में जन समस्याएं बढ़ती जा रही है। जनसमस्याओं का कोई समाधान नहीं हुआ। महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार चरम पर हैः अखिलेश अखिलेश यादव ने कहा कि सरकार में झूठ और लूट का बोलबाला है। महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार चरम पर है। गरीबों की कोई सुनवाई नहीं है। गरीब न्याय के लिए भटक रहा है। उन्होंने पार्टी नेताओं से कहा कि वे संगठन को और मजबूत करने में जुट जाएं। संगठन बूथ स्तर पर मजबूत होना चाहिए। बूथ लेवल पर एजेंट बनाएं। किसान, नौजवान समेत सभी वर्गों की समस्याएं उठाएं। गरीबों और पीड़ितों को न्याय दिलाने में मदद करें। प्रदेश ही नहीं, देश की जनता भी समाजवादियों की तरफ बड़ी उम्मीदों से देख रही है। यह भी पढ़ें राष्ट्र–धर्म की रक्षा और निर्दोषों को बचाने के लिए हिंसा करनी पड़े तो यह 'धर्मसम्मत मान्यश्ः ब्ड योगी उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि राष्ट्र–धर्म की रक्षा और निर्दोषों को बचाने के लिए हिंसा करनी पड़े तो यह "धर्मसम्मत मान्य" है। उन्होंने कहा, 'हिंदू धर्म किसी का अंत नहीं चाहता, वह श्अहिंसा परमो धर्मःश् की बात कहता है, लेकिन वह यह भी कहता है कि अहिंसा परम धर्म है, लेकिन राष्ट्र–धर्म की रक्षा और निर्दोषों को बचाने के लिए हिंसा करनी पड़े तो यह धर्मसम्मत मान्य है।

त्योहार विशेष रेलगाड़ी का संचालन

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए निम्नलिखित त्योहार विशेष रेलगाड़ी के संचालन का निर्णय लिया गया है। जिसका विवरण निम्नवत् है:-

गाड़ी सं. 02262/02261 नई दिल्ली - दरभंगा - नई दिल्ली आरक्षित सुपरफास्ट त्योहार विशेष रेलगाड़ी

गाड़ी संख्या - 02262			गाड़ी संख्या - 02261	
नई दिल्ली - दरभंगा			दरभंगा - नई दिल्ली	
आगमन	प्रस्थान	↑ स्टेशन ↓	आगमन	प्रस्थान
--	00:20	नई दिल्ली	20:15	--
06:30	06:40	गोविन्दपुरी	13:30	13:20
10:30	10:40	प्रयागराज जं.	09:10	09:20
21:15	--	दरभंगा जं.	--	23:20

• नई दिल्ली से गाड़ी संख्या 02262, बुधवार, रविवार, दिनांक : अक्टूबर - 13,16,20,23,27,30, नवम्बर - 03, 06, 10, 13, 17, 20, 24, 27
• दरभंगा से गाड़ी संख्या 02261, बुधवार, रविवार, दिनांक : अक्टूबर - 13,16,20,23,27,30, नवम्बर - 03, 06, 10, 13, 17, 20, 24, 27

गाड़ी संरचना : वातानुकूलित प्रथम श्रेणी- 02, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी- 10, स्लीपर श्रेणी- 02, वातानुकूलित प्रथम सह द्वितीय श्रेणी- 01, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी- 02

नोट: ट्रेनों की समय-सारणी से सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail Madad Mobile App या वेबसाइट www.railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in CPRONCR 1748/24(MG)

राष्ट्र–धर्म की रक्षा और निर्दोषों को बचाने के लिए हिंसा करनी पड़े तो यह 'धर्मसम्मत मान्य : योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि राष्ट्र–धर्म की रक्षा और निर्दोषों को बचाने के लिए हिंसा करनी पड़े तो यह "धर्मसम्मत मान्य" है। उन्होंने कहा, "हिंदू धर्म किसी का अंत नहीं चाहता, वह श्अहिंसा परमो धर्मःश् की बात कहता है, लेकिन वह यह भी कहता है कि अहिंसा परम धर्म है, लेकिन राष्ट्र–धर्म की रक्षा और निर्दोषों को बचाने के लिए हिंसा करनी पड़े तो यह धर्मसम्मत मान्य है। यह आह्वान भारत का शास्त्र करता है।" मजहब से जुड़े महापुरुषों का सम्मान होना चाहिएः योगी सीएम योगी ने मां दुर्गा की पूजा–अर्चना की तथा महिलाओं को 100 सिलाई मशीन का भी वितरण किया। पैगंबर मोहम्मद साहब के खिलाफ डासना मंदिर के मुख्य पुजारी यति नरसिंहानंद के आपत्तिजनक बयान के विरोध में अल्पसंख्यक समुदाय द्वारा किए जा रहे देशव्यापी आंदोलन के बीच आदित्यनाथ ने कहा, "हर लोक कल्याण के लिए हर जाति, मत, मजहब से जुड़े महापुरुषों का सम्मान होना चाहिए। कोई व्यक्ति किसी महापुरुष, योगी–सन्यासी के खिलाफ अभद्र भाषा का प्रयोग करता है तो वह दंड का भागी बनता है, उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए, लेकिन विरोध का मतलब तोड़फोड़ या लूटपाट नहीं है, यह कतई स्वीकार नहीं हो सकता।" कानून को हाथ में लेना का दुस्साहस न करें: योगी मुख्यमंत्री ने कहा, "एक तबका हिंदू धर्म के देवताओं के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी, महापुरुषों को अपमानित व मूर्तियों को खंडित करना जन्मसिद्ध अधिकार समझ लेता है।" उन्होंने कहा कि यदि किसी के द्वारा विद्वेष में कोई शब्द कहे जाते हैं तो उसे लेकर जमीन–आसमान एक करने का कुत्सित प्रयास होता है। मुख्यमंत्री ने आगाह किया कि कानून को हाथ में लेने का दुस्साहस न करें, ऐसा करने वालों को कानून की गिरफ्त में आना ही होगा तथा अराजकता को बढ़ावा देने वाले से कानून सख्ती से पेश आएगा। आदित्यनाथ ने कहा कि हर मत, पंथ व संप्रदाय की आस्था का सम्मान है, लेकिन कानून को हाथ में लाने की स्वतंत्रता नहीं होगी।

चन्द्रहासोज्जवलकरा शार्दूलवरवाहना।
कात्यायनी शुभं दद्यादेवी दानवघातिनी।।

जय माँ कात्यायनी

शारदीय नवरात्रि की षष्ठी दिवस मनोहर उर भाता।
ऋषि कात्यायन की पुत्री कात्यायनी माँ हैं सुख दाता ।।

लाल रंग से सजा हुआ दरबार आज जगराता का।
पुलकित है संसार द्वार पर चरण देखकर माता का।।

स्वर्ण सुनहरी आभा तन की जन–मन को है लेती मोह।
असुरों की संहारिणी माँ कात्यायनी मेटे सारे द्रोह।।

मनोवांछित वरद दायिनी झोली सबकी भरती हैं।
दुखियों का तकदीर बदल सौभाग्य सभी दे देती हैं।।

आज्ञा चक्र में ध्यान करो माँ ऊर्जा अतुलित दे देगी।
भय – संताप दूर कर माँ निश्चित वरदान मोक्ष देगी।।

माँ कात्यायनी चरणों में नतमस्तक 'शशि' नित होती है।
सौम्यरूप व चन्द्र वदन का सुमिरन जग की ज्योति है।।

डॉ०(कु०)शशि जायसवाल
प्रयागराज, उत्तर प्रदेश।

सम्पादकीय.......

नये तरह की रथयात्रा

तिरुपति के लड्डू सर्वोच्च न्यायलय के आदेश पर नियुक्त जांचकर्ताओं की एक मिलीजुली टीम के मुंह में हैं। टीम में दो सीबीआई अधिकारी शामिल हैं। क्या इससे तिरुपति–तिरुमाला के भगवान वेंकटेश्वर को न्याय मिलने में तेजी आयेगी? टीम इसमें कितनी और कब तक सफल हो पायेगी? इस पर अभी कुछ कहा नहीं जा सकता, क्योंकि पिछले कुछ समय से सीबीआई की छवि बहुत खराब हो गई है।तिरुपति के लड्डू बनाने के लिए इस्तेमाल किये गये घी में गोमांस की चर्बी, मछली का तेल और सूअर की चर्बी मिला हुआ पाया गया, जैसा कि एक जांच रपट के आधार पर दावा किया गया है, हालांकि सर्वोच्च न्यायालय ने अभी उसे पुख्ता प्रमाण नहीं माना है। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू ने इस खोज को भगवान वेंकटेश्वर के संकेत के रूप में लिया और अपने पूर्ववर्ती जगन मोहन रेड्डी के खिलाफ अभियान शुरू किया, जिसमें उप–मुख्यमंत्री पवन कल्याण सनातन धर्मावलंबियों की सेना का नेतृत्व कर रहे हैं। यह सेना गाय को कूड़े के ढेर और प्लास्टिक के कचरे के लिए छोड़ देगी, लेकिन गोमांस सहित किसी भी गोमांस से कभी कोई लेना–देना नहीं रखेगी। यह आस्था का मामला है। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा है कि देवताओं को राजनीति से दूर रखा जाना चाहिए। शायद यह तमिलनाडु के नये उप–मुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन के लिए संदेश हो, जिनके सनातन धर्म के खिलाफ कटु आलोचना से राजनेताओं और चिकित्सकों दोनों के ही समुदाय वाकिफ हैं। लेकिन सर्वोच्च न्यायालय को आंध्र प्रदेश के उप–मुख्यमंत्री पवन कल्याण के बारे में ज्यादा चिंता रही होगी, जो सनातन धर्म को अपने भगवा रंग में पहनते हैं। पवन कल्याण और उदयनिधि स्टालिन दोनों ही अभिनेता–राजनेता हैं। वे टॉलीवुड और कॉलीवुड में अपने फिल्मी करियर के दौरान देवताओं को राजनीति के साथ मिलाते रहे हैं। कल्याण के टॉलीवुड में इसकी शुरुआत एनटी रामाराव के मुख्यमंत्री बनने से हुई, क्योंकि उनके धार्मिक–फिल्मी अभिनय ने उन्हें जनता की नजर में देवता बना दिया था। तमिलनाडु में एमजीआर सबसे आगे थे। तिरुपति तिरुमाला मंदिर ने उन्हें कभी निराश नहीं किया। इन अभिनेताओं का करियर तिरुपति मंदिर में चढ़ाये गये प्रसाद के बल पर तेजी से आगे बढ़ा। पवन कल्याण जैसे किसी व्यक्ति ने हजारों–हजारों तिरुपति लड्डू चढ़ाये होंगे। उदयनिधि स्टालिन ने शायद ऐसा नहीं किया होगा, क्योंकि वे एक अलग राजनीतिक ढांचे से बने हैं। यही वह बात है, जिस पर सारा विवाद है। यह इंडिया गठबंधन और एनडीए के बीच का मामला है। क्या राजनेता वास्तव में इस बात की परवाह करते हैं कि तिरुपति लड्डू बनाने में क्या–क्या होता है? शायद इसीलिए सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि देवताओं को राजनीति में न लाया जाये, जैसे कि देवता असहाय हों। पवन कल्याण का मानना है कि श्हांश, हिंदू देवता असहाय हैं। भगवान वेंकटेश्वर और उनके भक्तों को खिलाये गये लड्डू का हश्र देखिए। तिरुपति के लड्डू बनाने के लिए इस्तेमाल किये जाने वाले घी जैसी महत्वपूर्ण चीज भी बेअसर हो गई है और भगवान कुछ भी नहीं कर सकते। कोई आश्चर्य नहीं कि पवन कल्याण इतने भड़के हुए हैं और हथियार उठा रहे हैं। अपने उत्साह और भक्ति में, उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने तिरुपति के लड्डू के इर्द–गिर्द शोर मचा दिया है। तिरुपति के लड्डू के इर्द–गिर्द आक्रोश को सनातन धर्म की संपूर्णता तक फैला दिया है और इस प्रक्रिया में, अपने हिंदू–द्वेषी तमिलनाडु के समकक्ष, उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन को निशाना बनाया है। प्रतिक्रिया ठंडी थी। द्रमुक की ओर से कहा गया कि वह पार्टी शकिसी भी धर्म या विशेष रूप से हिंदू धर्म के बारे में बात नहीं करता हैश, लेकिन श्जाति अत्याचार, अस्पृश्यता और जाति पदानुक्रम के खिलाफ बात करना जारी रखेगा। उपमुख्यमंत्रियों की लड़ाई में, यह इसे खत्म करने में मदद नहीं करता है। पवन कल्याण का कहना है कि तिरुपति के लड्डू में मिलावट शहिमशैल की नोक है और भ्रष्टाचार की जांच निष्कर्ष तक होनी चाहिए। पवन कल्याण ने पूर्व मुख्यमंत्री और वाईएसआरसीपी के प्रमुख जगन मोहन रेड्डी पर निशाना साधने से पहले ही रोक लगा दी। उनकी मौखिक मिसाइलें केवल श्तमिलनाडु के नेता के लिए थीं, जो कहते हैं कि श्सनातन धर्मश एक वायरस की तरह है और इसे नष्ट किया जाना चाहिए।श उदयनिधि स्टालिन ने तर्क दिया है कि सनातन धर्म को मिटा दिया जाना चाहिए, न कि केवल इसका विरोध किया जाना चाहिए। पवन कल्याण द्वारा उदयनिधि स्टालिन के हिंदू धर्म पर रुख पर विरोधी सख्त रुख अपनाने के साथ वह भगवान तिरुपति लड्डू को लेकर राजनीतिक विवाद में शामिल हो गये हैं। उनके पास अपनी मिसाइलों को दागने के लिए भाजपा का कंधा है। भाजपा, टीडीपी और पवन कल्याण की जन सेना दक्षिण भारत में देवताओं को राजनीति में लाने के लिए सबसे आगे हैं, भले ही सर्वोच्च न्यायालय कुछ भी कहे या न कहे। जहां तक उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण का सवाल है, सनातन धर्म के नरसंहार को रोका जाना चाहिए। आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ने तिरुपति में एक रैली में कहा, सनातन धर्म को मत कहो, यह वायरस की तरह है और नष्ट कर देगा। जिसने भी यह कहा, मैं आपको बता दूं कि आप सनातन धर्म को मिटा नहीं सकते। अगर कोई कोशिश करेगा... तो आप मिट जाएंगे। मैं एक बेबाक सनातनी हिंदू हूं। मैं बहुत स्पष्ट हूं। तो, क्या मंदिर की राजनीति दक्षिण में आ गई है? जिनके पास कई भगवान हैं, वे ईश्वरविहीन लोगों से लड़ रहे हैं। डीएमके ने पवन कल्याण और मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू दोनों की निंदा की और सुप्रीम कोर्ट के आदेश का उल्लंघन करने के लिए उनकी आलोचना की। डीएमके के एक प्रवक्ता ने कहा कि पवन कल्याण, मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू और भाजपा हिंदू धर्म और मानवता के असली दुश्मन हैं। इसके साथ ही, डीएमके ने सनातन धर्म के अस्तित्व को स्वीकार किया है, न कि उसके उन्मूलन को। तो, क्या धर्म और हिंदू देवताओं का राजनीतिक लाभ के लिए उपयोग करनाश पेरियारवादियों और सनातनियों के बीच युद्ध का अगला स्तर है। पवन कल्याण सनातन धर्म की रक्षा के लिए एक अखिल भारतीय समिति का गठन चाहते हैं और चेतावनी देते हैं कि शकिसी भी रूप में सनातन धर्म का अपमानश बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। तो, पवन कल्याण और सर्वोच्च न्यायालय अभिनीत इस फिल्म में शबिगब्रदर इज वॉचिंगश की भूमिका कौन निभा रहा है, जिसमें उदयनिधि स्टालिन, जगन मोहन रेड्डी और चंद्रबाबू नायडू भी प्रमुख भूमिका में हैं? तिरुपति लड्डू की मुख्य भूमिका होगी, जिसमें ग्रामीण वातावरण पृष्ठभूमि के रूप में होगा, नायिका तिरुपति लड्डू के लिए घी प्राप्त करने के लिए दूध को मथती है। सर्वोच्च न्यायालय को यकीन नहीं है कि तिरुपति लड्डू बनाने के लिए इस्तेमाल किये गये घी में पशु वसा थी।

झारखंड में भाजपा के लिए एक नई चुनौती – कल्पना सोरेन

शकील अख्तर

हरियाणा और जम्मू–कश्मीर के रिजल्ट से पहले भाजपा झारखंड को लुभा लेना चाहती है। ८ अक्टूबर को क्या होगा इसका शायद उसे अंदाजा है। इसलिए उसने पंचप्रण के नाम से झारखंड में घोषणाओं की बौछार कर दी। मजेदार बात यह है कि यह ऐसी घोषणाएं हैं जो वह पहले दूसरे राज्यों में भी कर चुकी है। मगर जीतने के बाद भूल भी गई। नाम रखने में तो वह माहिर है। सूरदास का नाम नयनसुख रख सकती है। तो लक्ष्मी जोहार के नाम से पांच में एक योजना ५०० रुपए में गैस सिलेंडर है। राजस्थान में यह वादा था। मगर किसी महिला को नहीं मिला। इसी योजना जिसे बहुत बड़ा नाम प्रण कहा गया है, में दो सिलेंडर मुफ्त देने का भी वादा है। अभी अमित शाह ने तो कश्मीर में ईद और मोहर्रम पर एक–एक सिलेंडर मुफ्त देने की घोषणा की थी। वहां तो अभी रिजल्ट आना है। मगर देखा जाए तो इसका रिजल्ट से क्या ताल्लुक? गैस सिलेंडर तो केन्द्र सरकार के क्षेत्राधिकार में है। अमित शाह को देना चाहिए। लेकिन आज तक किस राज्य में बीजेपी की सरकार मुफ्त सिलेंडर दे रही है और कहां ५०० रुपए में? हरियाणा, जम्मू–कश्मीर का नतीजा आने दीजिए लोग अब यह सवाल पूछेंगे। लोगों में डर खत्म हो रहा है। दूसरी मजेदार घोषणा है सुनिश्चित रोजगार! यह वादा करने से पहले वे भूल गए कि हरियाणा और जम्मू–कश्मीर में जैसा एक्जिट पोल कह रहे हैं, वैसा ही रिज्ल्ट आया, तो इसका सबसे बड़ा कारण रोजगार ही होगा। दोनों जगह दस साल से इनकी सरकार थी। मगर एक नौकरी नहीं दी। न केन्द्र में न राज्य में। और जो नौकरियां थीं सेना में उसे भी खत्म करके अग्निवीर की बिना पेंशन और सिर्फ चार

साल की बना दी। बाकी सुरक्षा बलों में भी भर्ती बंद है। हरियाणा के साथ जम्मू का युवा भी सेना और सुरक्षा बलों में सबसे ज्यादा जाता था मगर अब उसका वह रास्ता भी बंद कर दिया। लेकिन यहां झारखंड में वे नौकरियों की घोषणा नहीं बल्कि प्रण कर रहे हैं। यह बड़े–बड़े शब्द भोले, सरल लोगों को कितनी पीड़ा पहुंचाते हैं इसका बीजेपी को अंदाजा नहीं है। हम टिहरी उत्तराखंड का वह दिन कभी नहीं भूल सकते जब टिहरी डेम में पानी छोड़ा जा रहा था और टिहरी नगर डूब रहा था। तब औरतें रो–रोकर कह रही थीं कि– भाजपा के नेताओं ने हमारे हाथ में गंगाजल देकर यह संकल्प करवाया था कि टिहरी नहीं छोड़ेंगे। अब क्या होगा हमारे संकल्प का? पुलिस हमें यहां से ले जा रही है। केन्द्र में वाजपेयी की सरकार थी। टिहरी डेम केन्द्र सरकार का ही प्रोजेक्ट था। हमने दिल्ली वापस लौटकर भाजपा के नेताओं से पूछा कि बाकी सब ठीक है। मगर महिलाओं से ऐसा संकल्प क्यों करवाते हैं जिसे पूरा न कर सकें। और वे जीवन भर अपराधबोध से ग्रस्त रहें। कोई जवाब नहीं था। बस फर्क इतना था कि उल्टे हमसे कोई सवाल नहीं पूछने लगा था। आज तो आप किसी से यह कह दो वह उल्टा आप पर ही आरोप लगाने लगता है। मगर खैर लोकसभा में साधारण बहुमत भी न मिलने और अब हरियाणा. जम्मू–कश्मीर में हार की आहट से भाजपा के लोगों और उसकी गोदी मीडिया की उग्रता में कमी आई है और जनता के बीच डर का माहौल कम हुआ है। चुनाव नतीजों का अगर ऐसा ही ट्रेंड चलता रहा तो जल्दी आप देखेंगे कि जैसे वादे झारखंड में भाजपा ने किए हैं उन पर फिर जनता ही सीधे सवाल पूछने लगेगी कि भाईसाहब क्या आपने बिल्कुल ही बेवकूफ समझ लिया है? जैसे एक और प्रण है गोगो दीदी योजना। गोगो संथाली में मां को कहा जाता है। इसके फार्म भरवाना भी भाजपा ने शुरू कर दिए। इसमें महिलाओं को २१०० रुपए महीना देने का प्रण है। जबकि हेमंत सोरेन सरकार पहले से मंईयां सम्मान योजना के तहत महिलाओं को एक हजार रुपए महीना दे रही है। केवल नाम बदल कर और राशि बढ़ाकर नई योजना बताई जा रही है। झारखंड मुक्ति मोर्चे (जेएमएम) के नेता इस पंचप्रण को प्रपंच कह रहे हैं। उनके नेता सुप्रिय भट्टाचार्य ने कहा कि महिला सशक्तिकरण बात कर रहे हैं। संसद विधानसभाओं में ३३ प्रतिशत महिला आरक्षण का प्रस्ताव पास कर दिया। मगर अभी हमारे यहां चुनाव है लागू कर दो। मगर नहीं वह जब जनगणना होगी जिसका कोई पता नहीं है उसके बाद सोचेंगे। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का जेल जाना जेएमएम के लिए एक बड़ा मुश्किल समय था। चंपई सोरेन पर विश्वास करके जेएमएम ने उन्हें मुख्यमंत्री बनाया मगर उन्होंने ऐसा विश्वासघात किया कि झारखंड में ही नहीं देश में भी किसी को विश्वास नहीं हुआ। लेकिन इस बुरे समय ने ही जेएमएम को एक ऐसा सितारा दे दिया जिसका खुद उसे अंदाजा नहीं था। एक सामान्य घरेलू महिला कल्पना सोरेन का कायाकल्प हो गया। हालांकि भारतीय नारियों की यह पुरानी परंपरा है कि पति पर संकट आने पर वे अचानक रणचंडी बन जाती हैं। कुछ ऐसा ही कल्पना सोरेन के साथ हुआ। वे विधानसभा का उपचुनाव लड़ीं और विधायक बन गईं। हेमंत सोरेन जब जेल में थे तो वे इंडिया गठबंधन की बैठकों में शामिल हुईं। सोनिया गांधी ने खुद आगे बढ़कर उनका हाथ पकड़कर अपनी बगल में बिठाया। बहुत कम समय में वे नेशनल मीडिया में छा गईं। और अब जेएमएम उनका सर्वोत्तम उपयोग कर रहा है। उसने पूरे झारखंड में मंईयां सम्मान यात्रा शुरू कर दी। महिलाओं के सम्मान और सशक्तिकरण के लिए। इसमें जेएमएम की दूसरी महिला नेता तो जा ही रहीं हैं। मगर सबसे ज्यादा क्रेज कल्पना सोरेन का है। भाजपा समझ गई है कि इस बार उसे एक नई नेता जो बहुत तेजी से लोकप्रिय हुई हैं, खासतौर से महिलाओं में, उनका मुकाबला करना पड़ेगा। इसलिए मोदी जी चुनाव की घोषणा से पहले ही दो दौरे कर चुके हैं। जमशेदपुर और हजारीबाग। मगर हजारीबाग जो बीजेपी का गढ़ माना जाता है वहां भी भीड़ नहीं थी। दूसरी तरफ कल्पना सोरेन की यात्रा में लोग खासतौर से महिलाएं भारी संख्या में शामिल हो रही हैं। जिन नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में महिलाएं ५– ६ बजे शाम के बाद घर से नहीं निकलतीं वहां रात साढ़े आठ बजे कल्पना सोरेन निकलती हैं तो महिलाएं सड़क पर खड़ी मिलती हैं। और मजेदार बात यह है कि केवल जेएमएम के झंडे के साथ नहीं कांग्रेस के झंडे वाली महिलाएं भी वहां होती हैं। यह वह इलाका है सारंडा जंगल के पार का जहां बाजार भी शाम को सूरज ढलने से पहले ही बंद हो जाते हैं। परिस्थितियोंवश एक महिला नेता का उदय हो जाना जेएमएम के लिए वरदान बन गया। अभी जिन दो राज्यों जम्मू–कश्मीर, हरियाणा में चुनाव हो चुके और जिन दो राज्यों में महाराष्ट्र, झारखंड में होना हैं, वहां केवल झारखंड ही ऐसा है जहां इंडिया गठबंधन को अपनी सरकार बचाना है। बाकी तीन राज्यों में उसे भाजपा एनडीए से छीनना है। इसलिए सरकार बचाने की लड़ाई बाकी तीन राज्यों के मुकाबले मुश्किल है। मगर कल्पना सोरेन का जो एक नया फैक्टर आया है उसका तोड़ ढूंढना भाजपा के लिए आसान नहीं है। महिला नेता उसके पास झारखंड में तो क्या अब देश में भी नहीं है।

इंडिया आउट का नारा देने वाले मुइज्जू को भारत की शरण में क्यों आना पड़ा?

भारत के साथ संबंधों के प्रति मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू का बदला हुआ दृष्टिकोण कोई आश्चर्य की बात नहीं है क्योंकि मालदीव की राजनीति में अक्सर देखने को मिलता है कि चुनाव अभियानों के दौरान राजनेता जो बयानबाजी करते हैं, वह आधिकारिक नीतिगत निर्णयों में तब्दील नहीं होती। मुइज्जू को राष्ट्रपति का पद संभालने के बाद भारत की अहमियत समझ आ चुकी है। कर्ज में डूबे अपने देश को उबारने के लिए मुइज्जू को भारत की मदद की सख्त जरूरत है इसलिए चुनावों में इंडिया आउट का नारा देने वाले मुइज्जू भारत की शरण में आये हैं। चीन की यात्रा के दौरान ढेरों आश्वासन मिलने के बावजूद मुइज्जू अपने देश के लिए कुछ ठोस हासिल नहीं कर पाये इसलिए भारत से मदद मांगने आये हैं।

हम आपको बता दें कि मालदीव पर बड़ा आर्थिक संकट मंडरा रहा है इसलिए वह चाहता है कि भारत ऋण भुगतान को थोड़ा आसान बना दे। अपनी भारत यात्रा से ठीक पहले मुइज्जू ने अपने देश को वित्तीय सहायता की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा था कि दिल्ली द्वीप राष्ट्र की वित्तीय स्थिति से ष्पूरी तरह परिचितष् है और माले के सबसे बड़े विकास भागीदारों में से एक के रूप में ष्बोझ को कम करनेष् के लिए हमेशा तैयार रहेगी। दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय वार्ता के दौरान भारत और मालदीव ने 40 करोड़ डॉलर की मुद्रा अदला–बदली को लेकर जो समझौता किया है उससे मालदीव को विदेशी मुद्रा भंडार से जुड़े मुद्दों से निपटने में मदद मिलेगी। हम आपको यह भी बता दें कि अभी पिछले महीने ही वैश्विक एजेंसी मूडीज ने मालदीव की क्रेडिट रेटिंग यह कहते हुए घटा दी थी कि ष्डिफॉल्ट जोखिम बढ़ गए हैंष्। दरअसल मालदीव को ऋण भुगतान में चूक का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि उसका विदेशी मुद्रा भंडार गिरकर 440 मिलियन डॉलर हो गया है, जिससे कि सिर्फ डेढ़ महीने तक ही वस्तुओं का आयात किया जा सकता है। गौरतलब है कि यह द्विपीय राष्ट्र खाने पीने से लेकर अपनी तमाम जरूरतों के लिए विदेशों से सामान आयात करता है। विदेशों से सामान आयात करने के लिए उसे डॉलर की जरूरत है। विदेशी कर्ज चुकाने के लिए भी उसे डॉलर की जरूरत है। इसलिए मालदीव के सामने मुश्किल यह है कि वह अपने विदेशी मुद्रा भंडार में पड़े डॉलरों से कर्ज चुकाये या अपनी जनता के लिए जरूरत का सामान मंगवाये। इसके अलावा मालदीव को अपने यहां बुनियादी ढांचे में निवेश की भी जरूरत है ताकि जनता के जीवन स्तर को बढ़ाया जा सके। इसके लिए भी भारत पहले ही मालदीव को विभिन्न बुनियादी ढांचे और विकास परियोजनाओं के लिए 1.4 अरब डॉलर की वित्तीय सहायता की पेशकश कर चुका है। हम आपको यह भी याद दिला दें कि इस साल जनवरी में दोनों देशों के संबंधों में आये तनाव के मद्देनजर भारतीयों ने मालदीव में पर्यटन का बहिष्कार कर दिया था जिससे वहां की अर्थव्यवस्था को बड़ा नुकसान पहुँचा है। मुइज्जू को अपनी चीन यात्रा के दौरान राष्ट्रपति शी जिनपिंग से आश्वासन मिला था कि वह बड़ी संख्या में चीनियों को मालदीव में पर्यटन के लिए भेजेंगे लेकिन चीन से कोई नहीं आया। बताया जाता है कि मालदीव जाने वाले भारतीय पर्यटकों की संख्या में 50,000 की गिरावट आई है, जिसके परिणामस्वरूप देश को लगभग 150 मिलियन डॉलर का नुकसान हुआ है। इसलिए मालदीव के राष्ट्रपति ने अपने भारत दौरे के दौरान कहा है कि वह मालदीव में बड़ी संख्या में भारतीय पर्यटकों का स्वागत करने के लिए उत्सुक हैं।

हम आपको यह भी याद दिला दें कि मुइज्जू ने परोक्ष रूप से भारत पर कटाक्ष करते हुए कहा था कि इस छोटे से देश को ध्रमकाने का लाइसेंसष किसी के पास नहीं है। उन्होंने भारत के लिए अपने सैन्य कर्मियों को देश से वापस बुलाने के लिए 15 मार्च की समय सीमा भी तय की थी। मगर अब मुइज्जू भारत को साथ लेकर चलना चाहते हैं। इसलिए उन्होंने कहा है कि मालदीव कभी भी ऐसा कुछ नहीं करेगा जिससे भारत की सुरक्षा कमजोर हो। उन्होंने कहा है कि भारत मालदीव का एक मूल्यवान भागीदार और मित्र है और हमारा संबंध आपसी सम्मान और साझा हितों पर बना है। उन्होंने कहा है कि हम विभिन्न क्षेत्रों में अन्य देशों के साथ अपना सहयोग बढ़ाते हैं, लेकिन हम यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं कि हमारे कार्यों से हमारे क्षेत्र की सुरक्षा और स्थिरता से समझौता नहीं हो। जहां तक मुइज्जू की भारत यात्रा के दौरान मालदीव को हुए लाभ की बात है तो आपको बता दें कि मालदीव के राष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ मिलकर अपने देश में रूपे कार्ड को डिजिटल रूप से जारी किया। इसके अलावा दोनों नेताओं ने हनीमाधू अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर नये रनवे का उद्घाटन किया और द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने पर सहमति जतायी। चार दिवसीय राजकीय दौरे पर आए मुइज्जू ने हैदराबाद हाउस में प्रधानमंत्री मोदी के साथ विभिन्न मुद्दों पर बातचीत की। इस दौरान भारत ने मालदीव को 700 से अधिक सामाजिक आवास भी सौंपे। इसका निर्माण एक्जिम बैंक (भारतीय निर्यात–आयात बैक) की खरीदार कर्ज सुविधा के तहत किया गया है। मोदी ने मुइज्जू के साथ संयुक्त संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह भी ऐलान किया कि अब ग्रेटर माले संपर्क परियोजना में भी तेजी लाई जाएगी। उन्होंने कहा कि हम थिलाफुशी में एक नये वाणिज्यिक बंदरगाह के विकास में सहायता करेंगे। प्रधानमंत्री ने साथ ही कहा कि भारत और मालदीव ने आर्थिक संबंधों को और मजबूत करने के लिए मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत शुरू करने का फैसला किया है। उन्होंने मालदीव को एक 'घनिष्ठ मित्र' बताया जिसका भारत की पड़ोस नीति और सागर (क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा और वृद्धि) दृष्टिकोण में महत्वपूर्ण स्थान है। मोदी ने कहा, ''भारत ने हमेशा एक पड़ोसी देश की जिम्मेदारियों को निभाया है। आज, हमने अपने आपसी सहयोग को रणनीतिक दिशा देने के लिए एक व्यापक आर्थिक और समुद्री सुरक्षा साझेदारी का दृष्टिकोण अपनाया है।'' उन्होंने कहा कि भारत और मालदीव के संबंध सदियों पुराने हैं। और भारत, मालदीव का सबसे करीबी पड़ोसी और घनिष्ठ मित्र देश है। उन्होंने कहा कि हमारी ष्छमपहीइवनतीववक थ्पतेज" चवसपबल और ष्सागर" टपेपवद में मालदीव का महत्वपूर्ण स्थान है। बाइट।

वहीं मालदीव के राष्ट्रपति मुइज्जू के बयान की बात करें तो उन्होंने कहा है कि सरकारी बॉण्ड को आगे बढ़ाने तथा मुद्रा की अदला–बदली के समझौते पर हस्ताक्षर समेत उदारतापूर्वक की गयी सहायता के लिए मैं भारत का आभार जताता हूं। उन्होंने कहा कि मालदीव में भारतीय निवेश बढ़ाने के लिए भारत के साथ मुक्त व्यापार समझौता करने के लिए मैं उत्साहित हूं। राष्ट्रपति मुइज्जू ने साथ ही कहा कि मालदीव के लिए भारत सबसे बड़ा पर्यटन का स्रोत है, और हमें अधिक भारतीय पर्यटकों का स्वागत करने की उम्मीद है। बहरहाल, इसमें कोई दो राय नहीं कि भारत और मालदीव के बीच पारंपरिक रूप से मजबूत द्विपक्षीय संबंध रहे हैं और भारत इस द्वीप राष्ट्र का एक प्रमुख सहायता प्रदाता है। मुइज्जू ने अपने पूर्ववर्तियों की तरह राष्ट्रपति पद संभालने के तुरंत बाद भारत की जगह चीन की यात्रा कर दिल्ली को चिढ़ाने का जो प्रयास किया था उसका हश्र वह भुगत चुके हैं। मुइज्जू की गलतियों का प्रतिफल मालदीव की आम जनता नहीं भुगते इसका प्रयास भारत ने शुरू से किया और संयम बनाये रखा। आखिरकार अब जब मुइज्जू ने अपनी भूल सुधार ली है तो वही कहावत याद आती है कि सुबह का भूला यदि शाम को घर लौट आये तो उसे भूला नहीं कहते।

अभी 455 बच्चों की हार्ट सर्जरी कराना मेरा लक्ष्य है

पलक मुच्छल

बॉलीवुड की मशहूर सिंगर पलक मुच्छल ने कई गाने गाए। अपनी आवाज से सबको अपना दीवाना बनाया। लेकिन इसके अलावा वह जो काम करती हैं हर कोई उनका मुरीद है। वह बच्चों की हार्ट सर्जरी के लिए कमाई हुई राशि डोनेट करती हैं। उन्होंने नवभारत टाइम्स से बातचीत की।

बॉलिवुड सिंगर पलक मुच्छल ने अब तक 3000 से ज्यादा बच्चों की जिंदगी बचाई है

पलक मुच्छल का नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रेकॉर्ड्स और लिम्का बुक ऑफ वर्ल्ड रेकॉर्ड्स में दर्ज है

पलक मुच्छल का लक्ष्य वर्तमान में 455 बच्चों की सर्जरी कराना है

बॉलिवुड सिंगर पलक मुच्छल ना सिर्फ सुरीली आवाज से लोगों का दिल जीतती हैं, बल्कि वह अब तक 3 हजार से ज्यादा बच्चों की जिंदगी भी बचा चुकी हैं। अपने इस सामाजिक कार्य के लिए पलक का नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रेकॉर्ड्स और लिम्का बुक ऑफ वर्ल्ड रेकॉर्ड्स में भी दर्ज है। आइए पेश है उनके साथ खास बातचीतरू

आपके बारे में कहा जाता है कि आप काफी दयालु हैं और बचपन से ही लोगों की मदद करने के लिए काम करती रहती हैं। इसकी शुरुआत कहां से हुई?

इसकी शुरुआत तब हुई जब मैं काफी छोटी थी। शायद चार पांच साल से ही मेरे मन में यह भावना थी। जब भी किसी ऐसे बच्चे से मिलती थी जो कम प्रिविलेज्ड होता था, मैं सोचती थी कि काश कोई ऐसा जरिया मिले, जिससे मैं उसकी मदद कर सकूं। मेरे मन में ये उथल–पुथल चलती रहती थी कि अगर मेरे पास खिलौने हैं तो फुटपाथ पर रहने वाले बच्चों के पास क्यों नहीं! अगर मैं अच्छी जिंदगी जी रही हूं तो जो बच्चे ट्रेन में जमीन साफ करके पैसे कमाते हैं, वे ऐसी आराम वाली जिंदगी क्यों नहीं जी सकते। मुझे लगता है कि सिंगिंग मुझे भगवान की तरफ से एक गिफ्ट के रूप में मिली है। इसकी वजह से मैं किसी की मदद कर सकती हूं, उनकी जिंदगी में सुधार ला सकती हूं। किसी की जान भी बचा सकती हूं। मैंने सबसे पहले कारगिल के फौजियों के लिए एक अभियान चलाया था। तब दुकानों पर जाकर पैसे इकट्ठे किए। उसके बाद मैंने एक दिल से बीमार बच्चे की मदद की थी। जब ये दोनों अभियान सफल हो गए तो और भी बच्चे मदद मांगने के लिए आए। ऐसे करते हुए अब तीन हजार का आंकड़ा पार हो गया है।

करणवीर मेहरा ने बताया श्खतरों के खिलाड़ी 14श का विनर? श्बिग बॉस 18श और शिल्पा शिंदे पर भी बोले एक्टर

कहते हैं कि जब आप दूसरों का भला करते हैं तो उसका फल आपको भी मिलता है। क्या आप ऐसा महसूस करती हैं?

मुझे हर पल यह महसूस होता है। मुझे लगता है कि आज तक जितनी भी सफलता मुझे मिली है, जितना भी आशीर्वाद मिला है, सब उसी की वजह से मिला है। क्योंकि जब इन बच्चों के पैरंट्स मिलने आते हैं, बहुत दुआएं देते हैं। मुझे लगता है कि बहुत सारे लोग गाते हैं और कई मुझसे बेहतर गाते हैं। लेकिन मुझे हमेशा से जो इतना प्यार मिला है, इतना अपनापन मिला है, उन बच्चों की दुआओं की वजह से ही मिला है।

आने वाले समय में आपकी क्या प्लानिंग है?

अभी मेरी वेटिंग लिस्ट में 455 बच्चे हैं। पहले इन बच्चों की सर्जरी कराना मेरा लक्ष्य है। इसके अलावा एक हॉस्पिटल की भी प्लानिंग है जहां बच्चों का इलाज फ्री में किया जाएगा। क्योंकि इन बच्चों में सभी ह्रदय रोगी भी हैं इसलिए ये मिशन एक तरह से हार्ट का ही मिशन बन गया है। इसे ही आगे लेकर चलने का प्लान है।मनोरंजन जगत के कई सितारे एक्टिंग करने के अलावा सामाजिक कार्यों में भी रुचि लेते हैं। इनमें सोनी सूद, सलमान खान जैसे कई एक्टर्स का नाम आता है। अब इस लिस्ट में फेमस सिंगर पलक मुच्छल भी शामिल हो गई हैं। पलक को सामाजिक कार्य में काफी ज्यादा दिलचस्पी है और अपने फंड रेजर के जरिए हार्ट की बीमारी से जूझ रहे 3000 बच्चों का इलाज करवा चुकी हैं।

पलक ने ये माइलस्टोन प्राप्त करने पर वीडियो की एक रील शेयर की। पलक ने हाल ही में एक बच्चें की सर्जरी कराई है जिसका नाम आलोक है। आलोक की सर्जरी 11 जून को हुई और वो इंदौर का रहने वाला है। वीडियो शेयर करते हुए पलक ने लिखा, ष3000 जिंदगियां बचा ली। आप सभी की प्रार्थनाओं का ध न्यवाद। सर्जरी सफल हुई और अब आलोक बिल्कुल ठीक है।

रैम्प पर शनाया कपूर ने बिखेरा हुस्न का जलवा, दिल थाम कर देखें ये बेफिक्र अंदाज

शनाया कपूर एक फैशन शो के दौरान रैम्प पर हुस्न की बिजलियां गिराती हुई नजर आईं, क्या आपने देखीं...

ब्लैक साड़ी में आलिया भट्ट ने लूटी महफिल, हर अदा में दिखा गजब का नशा

आलिया भट्ट ब्लैक साड़ी में एक से बढ़कर एक किलर पोज देती हुई दिखाई दे रहीं है, जिन पर फैन्स दिल हार...

एलिगेंट अनन्या पांडे का बवाल लुक देख फैन्स बोले – नैचुरल ब्यूटी

इन लेटेस्ट फोटोज में अनन्या पांडे का किलर स्टाइल देख आप भी उनकी तारीफ करने से खुद को...

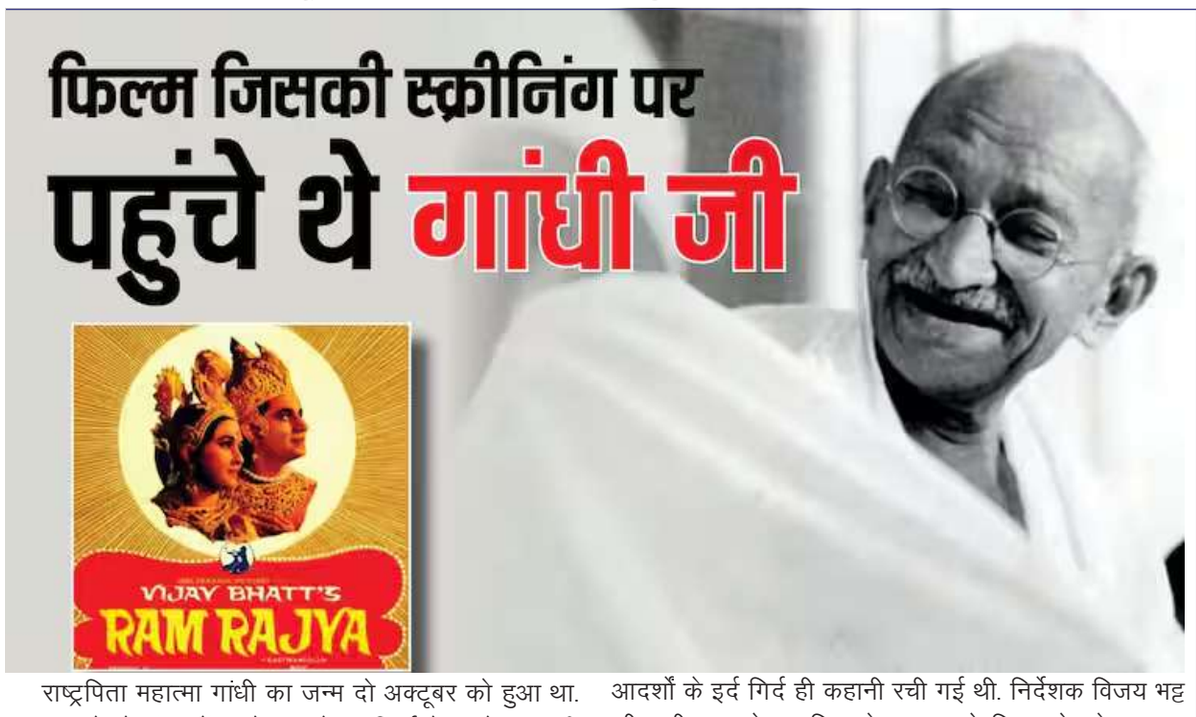

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का जन्म दो अक्टूबर को हुआ था. गुजरात के पोरबंदर में जन्मे बापू ने ना सिर्फ देश को आजादी दिलाने के लिए अपना सर्वस्व झोंक दिया बल्कि उनके आदर्श आज भी देश को प्रेरणा दे रहे हैं. आज आपको बताएंगे वो किस्सा जब पहली और आखिरी बार महात्मा गांधी फिल्म देखने के लिए थिएटर पहुंचे और वो भी आधी फिल्म देखकर ही वापस लौट आए. दरअसल महात्मा गांधी को फिल्म और सिनेमा से कोई खास दिलचस्पी नहीं थी. लेकिन एक बार वो भी थिएटर में फिल्म देखने पहुंचे थे. खास बात ये कि ये फिल्म उनके ही आदर्शों के इर्द गिर्द बुनी गई थी. लेकिन बापू को ये फिल्म कुछ खास पसंद नहीं आई थी. गांधी जी ने कौन सी फिल्म देखी थी ? रिपोर्ट्स की मानें तो महात्मा गांधी ने अपने जीवन में सिर्फ एक फिल्म देखी थी. जिसका नाम है रामराज्य. ये फिल्म बापू के उन आदर्शों पर ही थे जिन्हें वो देश में रामराज लाने के लिए अहम मानते थे. साल 1943 में आई इस फिल्म में बापू के आदर्शों के इर्द गिर्द ही कहानी रची गई थी. निर्देशक विजय भट्ट की इसी बात से प्रभावित होकर बापू ने फिल्म देखने का मन भी बनाया था. आधी फिल्म देखकर बाहर आ गए थे बापू कई लोगों को उम्मीद थी कि इस फिल्म के बाद शायद बापू का सिनेमा को लेकर दृष्टिकोण बदल जाए. लेकिन ऐसा नहीं हो सका क्योंकि बापू आधी फिल्म को बीच में ही छोड़कर थिएटर से बाहर निकल आए थे. खबरों के मुताबिक इसके बाद बापू ने कभी कोई फिल्म नहीं देखी थी. ये पहली और आखिरी बार था जब महात्मा गांधी ने कोई फिल्म देखी. महात्मा गांधी के ऊपर देश और विदेश में कई फिल्में बनीं. इन फिल्मों ने ना सिर्फ कलात्मक नजरिए ये शोहरत बटोरी तो कई फिल्में बॉक्स ऑफिस पर बंपर हिट साबित हुईं. लेकिन बापू के जीवन में सिनेमा के लिए जगह कुछ खास जगह नहीं थी. वो सिनेमा और उसके समाज पर प्रभाव को लेकर अलग नजरिया रखते थे, शायद इसी वजह से उन्होंने फिल्मों से हमेशा दूरी बनाकर रखी.

गोलमाल, द डर्टी पिक्चर, क्या कूल हैं हम जैसी फिल्मों का हिस्सा रहे एक्टर तुषार कपूर का फेसबुक अकाउंट हैक हो चुका है। इसकी जानकारी एक्टर ने एक स्टेटमेंट जारी कर दी है। एक्टर ने लिखा है कि उनकी टीम अकाउंट रिकवरी की पूरी कोशिश कर रही है। तुषार ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट कर लिखा है, हैलो, मैं आपको बताना चाहता हूं कि मेरे दोनों पब्लिक और प्राइवेट फेसबुक अकाउंट कॉम्प्रोमाइज्ड हो गए हैं। इसके चलते मैं बीते कुछ समय से इनएक्टिव हूं। मेरी टीम और मैं इस स्थिति को सुलझाने और अकाउंट हासिल करने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। आगे उन्होंने लिखा है, इस समय में हम आपके धैर्य और समझ की सराहना करते हैं और आपसे दोबारा जुड़ने का इंतजार कर रहे हैं। आपके लगातार सपोर्ट के लिए धन्यवाद। इसी महीने स्वरा भास्कर का व्हॉट्सएप हुआ था ।हैक तुषार कपूर से पहले इसी महीने एक्ट्रेस स्वरा भास्कर का व्हॉट्सएप हैक हुआ था। एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी देते हुए, अपने करीबियों को सचेत किया था। बताते चलें कि तुषार कपूर आखिरी बार इसी साल रिलीज हुई फिल्म लव सेक्स और धोखा 2 में कैमियो करते नजर आए थे।

गर्मियों का सीजन जाने वाला है और कुछ ही महीनों में सर्दियां आने वाली हैं। जिस तरह गर्मियों में हम अपनी स्किन को धूप, टैनिंग, धूल–प्रदूषण और ऑयली स्किन होने से बचाते हैं ठीक उसी तरह हमें सर्दियों में भी अपनी त्वचा की बेहद देखभाल करनी चाहिए। सर्दियों में ज्यादा ठण्ड की वजह से स्किन ड्राई हो जाती है, जिससे स्किन में खुजली की समस्या हो जाती है और खुजली करके हम अपनी स्किन में रेडनेस की समस्या पैदा कर लेते हैं। इस लेख में, हम आपको कुछ खास सुझाव देंगे जिनसे आप सर्दियों में अपनी त्वचा को स्वस्थ और चमकदार रख सकते हैं।

पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं

सर्दियों में ठंड के कारण हम अक्सर पानी कम पीते हैं, लेकिन त्वचा को नमी प्रदान करने और शरीर को हाइड्रेट रखने के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी पीना बेहद जरूरी है। कम पानी पीने से त्वचा रूखी और बेजान हो सकती है। सर्दियों में भी आपको 8–10 गिलास पानी पीने की आदत बनाए रखनी चाहिए, ताकि आपकी त्वचा नमी से भरपूर रहे और ड्राईनेस की समस्या न हो।

मॉइस्चराइजर और सनस्क्रीन का इस्तेमाल

सर्दियों में त्वचा की नमी बनाए रखने के लिए मॉइस्चराइजर का नियमित उपयोग करना बेहद महत्वपूर्ण है। मॉइस्चराइजर आपकी त्वचा को रूखेपन से बचाता है और उसे मुलायम बनाए रखता है। साथ ही, सनस्क्रीन का इस्तेमाल भी न भूलें। सर्दियों में धूप से संपर्क बढ़ जाता है, जिससे सनबर्न होने का खतरा रहता है। चाहे धूप हो या बादल, सनस्क्रीन आपकी त्वचा को यूवी किरणों से बचाने में मदद करता है। इसे घर से बाहर निकलने से पहले जरूर लगाएं।

गर्म पानी का इस्तेमाल न करें

ठंड के मौसम में नहाने के लिए अक्सर हम गर्म पानी का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन यह त्वचा के लिए नुकसानदायक हो सकता है। गर्म पानी से त्वचा की प्राकृतिक नमी खत्म हो जाती है, जिससे रूखेपन की समस्या बढ़ जाती है। इसके बजाय हल्के गर्म पानी का इस्तेमाल करें और नहाने के बाद बॉडी पर तेल या मॉइस्चराइजर जरूर लगाएं, ताकि आपकी त्वचा नमी से भरपूर बनी रहे।

क्लींजिंग पर ध्यान दें

सर्दियों में आलस के कारण हम अक्सर चेहरे की सफाई नहीं करते, लेकिन क्लींजिंग करना बेहद जरूरी है। चेहरे की गंदगी और धूल–मिट्टी को साफ करने के लिए कच्चा दूध एक बेहतरीन विकल्प है। कच्चा दूध त्वचा को गहराई से साफ करता है और उसे नमी प्रदान करता है। मुलायम कॉटन पैड को कच्चे दूध में डुबोकर हल्के हाथों से चेहरे पर लगाएं और सूखने दें। यह प्रक्रिया आपकी त्वचा को साफ और ताजा बनाए रखेगी।

विटामिन–सी से भरपूर आहार लें

सर्दियों में विटामिन–सी युक्त आहार आपकी त्वचा को भीतर से स्वस्थ और चमकदार बनाए रखते हैं। संतरे और आंवले में विटामिन–सी की भरपूर मात्रा पाई जाती है, जो आपकी त्वचा को प्राकृतिक रूप से निखारने में मदद करती है। विटामिन–सी त्वचा की रंगत में सुधार करता है और उसे संक्रमण से बचाता है।

सर्दियों में त्वचा की सही देखभाल के लिए ऊपर दिए गए सुझावों का पालन करें। नियमित रूप से मॉइस्चराइजर, सनस्क्रीन, और सही आहार का सेवन करके आप अपनी त्वचा को स्वस्थ, चमकदार और हाइड्रेटेड रख सकते हैं। सर्दियों के मौसम में थोड़ी सी देखभाल आपकी त्वचा को शुष्क हवाओं से बचाकर उसकी प्राकृतिक चमक बनाए रखेगी।

दांतों की सुंदरता न केवल आपके चेहरे के लुक को बढ़ाती है, बल्कि ये आपके स्वास्थ्य के बारे में भी कई राज छुपाए रखते हैं। सफेद और चमकदार दांतों का होना तो अच्छा है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि आपके दांत किस तरह से आपकी सेहत की समस्याओं का संकेत देते हैं? आइए जानते हैं दांतों के स्वास्थ्य से जुड़ी कुछ महत्वपूर्ण बातें और कैसे ये विभिन्न बीमारियों का संकेत बन सकते हैं।

हार्ट हेल्थ

दांतों और मसूड़ों की सेहत का सीधा संबंध दिल के स्वास्थ्य से होता है। जो लोग ओरल हेल्थ की समस्याओं से जूझते हैं, उन्हें हृदय रोग का खतरा अधिक होता है। शोध बताते हैं कि मसूड़ों में संक्रमण होने पर दिल की बीमारियों, जैसे हार्ट स्ट्रोक और हार्ट अटैक, का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए, यदि आपके मसूड़ों से खून आता है या दांत गिरने की समस्या है, तो तुरंत दंत चिकित्सक से संपर्क करें।

पोषक तत्वों की कमी

अगर आपके मुंह में बार–बार अल्सर या छाले हो रहे हैं, तो यह एनीमिया का संकेत हो सकता है, जो खून की कमी से संबंधित एक गंभीर स्थिति है। यह लक्षण शरीर में विटामिन बी12 की कमी के कारण भी हो सकते हैं। अगर दंत चिकित्सक बार–बार इस समस्या का समाधान नहीं कर पा रहे हैं, तो एक बार सीबीसी टेस्ट करवाना आवश्यक है।

इंफ्लेमेटरी बाउल डिजीज

इंफ्लेमेटरी बाउल डिजीज एक गंभीर आंतों की समस्या है, जो आपके मुंह से लेकर आंतों तक की सेहत को प्रभावित कर सकती है। इस बीमारी का संकेत जीभ पर सफेद परत या मुंह में सूखापन हो सकता है। यह लक्षण गंभीरता से लेने की जरूरत है, क्योंकि आईबीडी जीवन को प्रभावित कर सकती है।

डिमेनशिया

हाल के शोधों से पता चला है कि लंबे समय तक मसूड़ों की खराब सेहत, जैसे मसूड़ों से खून आना या दांत गिरना, डिमेनशिया का संकेत हो सकता है। डिमेनशिया एक ऐसा रोग है, जिसमें व्यक्ति की याददाश्त कमजोर होती है और सोचने–समझने की क्षमता पर असर पड़ता है।

तनाव

यदि आपके दांत घिस गए हैं या टूट गए हैं, तो यह संकेत हो सकता है कि आप तनाव में हैं। लोग अक्सर तनाव के दौरान अपने दांतों को जोर से चबाने लगते हैं, जिससे दांतों को नुकसान होता है। इसके अलावा, गर्दन, जबड़े और सिर में दर्द जैसे लक्षण भी तनाव का संकेत हो सकते हैं।

लिवर की सेहत

क्वीन्स यूनिवर्सिटी के एक अध्ययन के अनुसार, जो लोग लगातार दांतों, मसूड़ों और मुंह के अल्सर की समस्याओं का सामना कर रहे हैं, उन्हें लिवर कैंसर का खतरा अधिक होता है। इस अध्ययन में एक बैक्टीरिया की पहचान हुई है जो पहले कैविटी पैदा करता है, और बाद में कैंसर कारक बन सकता है।

मेनोपॉज

महिलाओं में मेनोपॉज के बाद ऑस्टियोपोरोसिस का खतरा बढ़ता है, जो दांतों और मसूड़ों पर भी प्रभाव डालता है। इस दौरान महिलाओं के मसूड़ों में सूजन, जलन और छालों की समस्या बढ़ सकती है।

यह संकेत हैं कि आपको अपनी ओरल हेल्थ पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। दांतों का स्वास्थ्य केवल आपके चेहरे की सुंदरता के लिए महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि यह आपके समग्र स्वास्थ्य के लिए भी एक संकेतक है। यदि आप इन लक्षणों का अनुभव कर रहे हैं, तो समय रहते विशेषज्ञ से परामर्श लेना जरूरी है। सही देखभाल और नियमित चेक–अप से आप न केवल अपने दांतों को स्वस्थ रख सकते हैं, बल्कि गंभीर बीमारियों से भी बच सकते हैं।

सुबह उठते ही उल्टी जैसा महसूस होना या मतली आना कभी–कभार सामान्य हो सकता है, लेकिन अगर यह समस्या रोजाना होती है, तो इसे नजरअंदाज करना भारी पड़ सकता है। कई लोग इसे सामान्य समस्या मानकर ध्यान नहीं देते, लेकिन यह कुछ गंभीर बीमारियों का शुरुआती संकेत हो सकता है। अगर आप भी रोजाना सुबह उठते ही उल्टी जैसी समस्या से जूझ रहे हैं, तो इसे मामूली समझने की भूल न करें।

सुबह उल्टी जैसा महसूस होने के कारण

सुबह उल्टी जैसा महसूस होना कई कारणों से हो सकता है, जो सीधे आपके स्वास्थ्य से जुड़े होते हैं। यह कुछ सामान्य कारणों से भी हो सकता है, जैसे अधिक मसालेदार या हैवी खाना, देर रात खाना या डिहाइड्रेशन। लेकिन अगर यह समस्या बार–बार हो रही है, तो इसके पीछे कुछ गंभीर बीमारियों के संकेत छिपे हो सकते हैं। आइए जानते हैं कि यह किन प्रमुख बीमारियों का संकेत हो सकता है और किन्हें नजरअंदाज करना खतरनाक हो सकता हैरू

लो ब्लड शुगर

अगर आप लंबी अवधि तक भूखे रहते हैं या नियमित अंतराल पर भोजन नहीं करते हैं, तो आपके शरीर में ब्लड शुगर का स्तर कम हो सकता है। सुबह के समय खाली पेट होने के कारण शरीर की ऊर्जा का स्तर गिर जाता है, जिससे चक्कर आना और उल्टी जैसा महसूस होना आम बात है। इसे हाइपोग्लाइसीमिया कहते हैं। यह समस्या उन लोगों में अधिक देखी जाती है जो डायबिटीज के मरीज होते हैं या अनियमित आहार लेते हैं। इसके लक्षणों में कमजोरी, थकान, चक्कर आना, और उल्टी शामिल हैं। इससे बचने के लिए सुबह नाश्ता करना बेहद जरूरी है।

माइग्रेन

माइग्रेन के मरीजों में अक्सर सुबह के समय उल्टी या मतली महसूस होना आम होता है। जब व्यक्ति को माइग्रेन का दौरा पड़ता है, तो सिर में तेज दर्द के साथ उल्टी और चक्कर आना जैसी समस्याएं भी हो सकती हैं। माइग्रेन के मरीजों में यह समस्या तनाव, चिंता या नींद की कमी के कारण भी बढ़ सकती है। इसके साथ ही, माइग्रेन की दवाएं भी कभी–कभी उल्टी का कारण बन सकती हैं। अगर आपको सिरदर्द के साथ उल्टी महसूस होती है, तो यह माइग्रेन का संकेत हो सकता है।

गैस्ट्राइटिस

गैस्ट्राइटिस यानी पेट की सूजन या गैस बनना एक और आम कारण है जिसके चलते सुबह उठते ही उल्टी जैसी समस्या हो सकती है। जब पेट खाली रहता है और एसिड का उत्पादन बढ़ जाता है, तो यह मतली और उल्टी का कारण बन सकता है। खासकर उन लोगों में जो देर रात भोजन करते हैं या अधिक मसालेदार और तैलीय भोजन का सेवन करते हैं, यह समस्या ज्यादा देखी जाती है। गैस्ट्राइटिस के लक्षणों में पेट में दर्द, पेट फूलना, उल्टी और बदहजमी शामिल हैं। इस समस्या से निपटने के लिए रात के खाने में हल्का और सुपाच्य भोजन करना चाहिए

अन्य संभावित कारण

इसके अलावा, कई अन्य कारण भी हो सकते हैं जिनकी वजह से सुबह के समय उल्टी जैसा महसूस होता है। इनमें शामिल हैं– डिहाइड्रेशनअगर शरीर में पानी की कमी होती है, तो सुबह के समय मितली और चक्कर आ सकते हैं।नींद की कमी पर्याप्त नींद न लेने से भी शरीर में थकान और उल्टी जैसा महसूस हो सकता है। हॉर्मोनल बदलाव गर्भवती महिलाओं में हॉर्मोनल असंतुलन के कारण सुबह की मितली आम समस्या है। पेट की समस्याएं जैसे पेट में अल्सर या एसिडिटी।

समस्या से कैसे बचें?

1. सुबह के समय हल्का नाश्ता जरूर करें, ताकि ब्लड शुगर का स्तर संतुलित रहे।

2. पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं, ताकि डिहाइड्रेशन से बचा जा सके।

3. रात के भोजन में हल्का और सुपाच्य भोजन लें, ताकि पेट को आराम मिले।

4. माइग्रेन या गैस्ट्राइटिस के मरीज समय पर दवाइयों का सेवन करें और डॉक्टर की सलाह लें।

अगर सुबह उठते ही आपको बार–बार उल्टी जैसा महसूस होता है, तो इसे हल्के में लेना सही नहीं है। यह लो ब्लड शुगर, माइग्रेन या गैस्ट्राइटिस जैसी बीमारियों का संकेत हो सकता है, जो समय पर ध्यान न देने पर गंभीर रूप ले सकती हैं। इसलिए, अगर यह समस्या लगातार बनी रहती है, तो आपको डॉक्टर से परामर्श लेना चाहिए और अपनी जीवनशैली में आवश्यक बदलाव करने चाहिए। स्वस्थ दिनचर्या और संतुलित आहार से आप इस समस्या से बच सकते हैं।

आंखें हमारे शरीर का एक अनमोल हिस्सा हैं, जिनकी मदद से हम दुनिया को देख सकते हैं। लेकिन आज की बदलती जीवनशैली और गैजेट्स के अधिक उपयोग के कारण आंखों की रोशनी कमजोर होना एक आम समस्या बन गई है। अगर आप भी अपनी आंखों की सेहत को लेकर चिंतित हैं और चश्मे से छुटकारा पाना चाहते हैं, तो आपको अपने खानपान में कुछ खास चीजों को शामिल करना चाहिए। आइए, जानते हैं वो 7 चीजें जिनका सेवन आपकी आंखों की रोशनी बढ़ा सकता है और आपके चेहरे पर भी निखार ला सकता है।

पालक

पालक विटामिन ए, सी, के, फोलेट, पोटेशियम और आयरन का एक बेहतरीन स्रोत है। इसके सेवन से आपकी आंखों की सेहत में सुधार हो सकता है। पालक में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स और कैरोटिनॉयड्स आंखों की मांसपेशियों को मजबूत बनाते हैं। रोजाना पालक का सेवन सलाद, सब्जी, या स्मूदी के रूप में किया जा सकता है।

गाजर

गाजर विटामिन ए का सबसे अच्छा स्रोत मानी जाती है, जो आंखों की रोशनी को बढ़ाने में मददगार साबित होती है। इसमें मौजूद बीटा–कैरोटीन आंखों को स्वस्थ रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। आप गाजर का सेवन सलाद, जूस, या सब्जी के रूप में कर सकते हैं।

टमाटर

टमाटर में विटामिन ए और सी प्रचुर मात्रा में पाया जाता है, जो आंखों के लिए लाभकारी होते हैं। इसके अलावा, टमाटर में लाइकोपीन नामक एक एंटीऑक्सीडेंट भी होता है, जो आंखों को धूप के हानिकारक प्रभावों से बचाता है। आप इसे सलाद या सब्जी में शामिल कर सकते हैं और इसे चेहरे पर लगाकर त्वचा का निखार भी बढ़ा सकते हैं।

ब्रोकली

ब्रोकली आंखों की सेहत के लिए बेहद फायदेमंद है। इसमें ल्यूटिन, जेक्सैन्थिन, और विटामिन सी जैसे तत्व होते हैं, जो आंखों की रक्षा करते हैं और दृष्टि को बेहतर बनाते हैं। आप इसे सलाद में डाल सकते हैं या हल्का उबालकर खा सकते हैं।

संतरा

संतरा विटामिन सी और ए का भरपूर स्रोत है, जो आंखों के स्वास्थ्य को बनाए रखने में मदद करता है। रोजाना एक संतरा खाने या इसका जूस पीने से आपकी आंखों की रोशनी में सुधार हो सकता है और यह फ्री रैडिकल्स से बचाव करता है, जो आंखों की कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाते हैं।

शकरकंद

शकरकंद, जिसे मीठा आलू भी कहा जाता है, विटामिन ए का अच्छा स्रोत है। यह आंखों की रोशनी को तेज करने और रतौंधी जैसी समस्याओं से बचाने में मदद करता है। आप इसे उबालकर, भूनकर या रोस्ट करके खा सकते हैं।

ब्लूबेरी

ब्लूबेरी, जिसे नीलबदरी भी कहा जाता है, आंखों की सेहत के लिए अत्यंत फायदेमंद होती है। इसमें मौजूद विटामिन ई, सी, और एंटीऑक्सीडेंट्स आंखों की रोशनी बढ़ाने में मददगार होते हैं। इसका नियमित सेवन आंखों की दृष्टि को तेज कर सकता है और चश्मे से छुटकारा पाने में मदद कर सकता है।

इन सभी चीजों का नियमित सेवन आपकी आंखों की रोशनी को बेहतर बना सकता है और आपको चश्मे से छुटकारा दिला सकता है। साथ ही, यह आपकी त्वचा पर भी निखार लाएगा।

संक्षिप्त

शीर्ष आठ शहरों में जुलाई–सितंबर तिमाही में आवासीय बिक्री में पांच प्रतिशत की गिरावट

नयी दिल्ली । देश के शीर्ष आठ शहरों में जुलाई–सितंबर तिमाही में आवासीय बिक्री में नई पेशकश में कमी तथा कीमतों में तेजी के कारण पांच प्रतिशत की गिरावट आई है। रियल एस्टेट 'ब्रोकरेज' मंच प्रॉपटाइगर डॉट कॉम ने भारत के आवासीय बाजार पर मंगलवार को 'रियल इनसाइट' नामक रिपोर्ट जारी की। प्रॉपटाइगर ऑस्ट्रेलिया की आरईए समूह का हिस्सा है। आरईए इंडिया के पास हाउसिंग डॉट कॉम का स्वामित्व है। रिपोर्ट के अनुसार, जुलाई–सितंबर में कुल 96,544 इकाइयां बेची गईं, जो 2023 में इसी अवधि के दौरान बेची गई 1,01,221 इकाइयों से पांच प्रतिशत कम है। प्रमुख आठ बाजारों में पेश की गईं नई आवासीय इकाइयों की संख्या समीक्षाधीन अवधि में सालाना आधार पर 1,23,080 इकाइयों से 25 प्रतिशत घटकर 91,863 इकाई रह गई। प्रॉपटाइगर ने रिपोर्ट में मकान की कीमतों में तेज वृद्धि के सामर्थ्य को प्रभावित करने की बात को भी रेखांकित किया। शीर्ष आठ शहरों में कीमतों में औसतन करीब 20 प्रतिशत की वृद्धि हुई। आंकड़ों के अनुसार, केवल दिल्ली–राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में मकानों की बिक्री बढ़ी है। अन्य सात प्रमुख शहरों में गिरावट आई है। दिल्ली–एनसीआर में जुलाई–सितंबर के दौरान बिक्री सालाना आधार पर 29 प्रतिशत बढ़कर 10,098 इकाई हो गई। पिछले साल समान अवधि में यह 7,800 इकाई थी। हालांकि, अहमदाबाद में बिक्री 10,305 इकाई से नौ प्रतिशत घटकर 9,352 इकाई, बेंगलुरू में 12,588 इकाई से 11 प्रतिशत घटकर 11,160 इकाई, चेन्नई में 3,874 इकाई से आठ प्रतिशत घटकर 3,560 इकाई, हैदराबाद में 14,191 इकाई से 19 प्रतिशत घटकर 11,564 इकाई और कोलकाता में बिक्री 3,607 इकाई से 22 प्रतिशत घटकर 2,796 इकाई रह गई। मुंबई महानगर क्षेत्र में समीक्षाधीन अवधि में आवासीय संपत्तियों की बिक्री 30,299 इकाइयों से एक प्रतिशत घटकर 30,010 इकाई रह गई। आवासीय बिक्री तीन प्रतिशत घटकर 18,004 इकाई रह गई, जो एक साल पहले इसी अवधि में 18,557 इकाई थी। आरईए इंडिया के मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ) एवं प्रॉपटाइगर डॉट कॉम के व्यवसाय प्रमुख विकास वधावन ने कहा, '' बिक्री और नई पेशकश दोनों में सालाना आधार पर गिरावट बढ़ती कीमतों के प्रति बाजार की प्रतिक्रिया को दर्शाती है।'' उन्होंने कहा, '' हम बाजार गतिविधि में एक स्वस्थ मंदी देख रहे हैं, जो अंतिम उपयोगकर्ताओं के लिए फायदेमंद है क्योंकि यह स्थायी वृद्धि लाता है। पिछली कुछ तिमाहियों में बड़े बाजारों के कुछ प्रमुख क्षेत्रों में कीमतों में तीन प्रतिशत से लेकर 50 प्रतिशत तक की वृद्धि हुई है जिससे तत्काल खरीद निर्णय प्रभावित हुए हैं।'' हालांकि, वधावन को उम्मीद है कि खरीदार धीरे–धीरे नई मूल्य वास्तविकताओं के साथ समायोजित हो जाएंगे। दिल्ली–एनसीआर में गुरुग्राम, नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गाजियाबाद और फरीदाबाद शामिल हैं। वहीं मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर) में मुंबई, नवी मुंबई और ठाणे शामिल हैं।

भारत की स्टार जिमनास्ट दीपा कर्माकर ने लिया संन्यास, ओलंपिक में नहीं जीत पाई थीं पदक

भारत की स्टार जिमनास्ट दीपा कर्माकर ने अचानक संन्यास लेकर सबको चौंका दिया है। दीपा 2016 के रियो ओलंपिक में पदक से चूक गई थीं, उन्होंने पांचवां स्थान हासिल किया था। 31 वर्षीय दीपा ओलंपिक में हिस्सा लेने वाली भारत की पहली महिला जिमनास्ट बनीं थीं। उनका रियो ओलंपिक के वॉल्ट इवेंट में महज 0.15 पॉइंट से ओलंपिक में मेडल जीतने का सपना अधूरा रह गया था। यह वीनर्स नकली दांतों से 300 गुना बेहतर है! और कीमत बहुत सस्ती हैऔर जानें वहीं दीपा ने संन्यास को लेकर एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि, बहुत सोच–समझ कर मैंने जिमनास्टिक से संन्यास लेने का फैसला किया है। ये कोई आसान फैसला नहीं, लेकिन मुझे लगता है कि ये सही वक्त है। जब से मैं याद कर सकती हूं जिमनास्टिक मेरे जीवन का केंद्र रहा और मैं उतार–चढ़ाव और बीच की हर चीज के लिए आभारी हूं। दीपा ने 2014 के कॉमनवेल्थ गेम्स में कांस्य पदक जीता था और ऐसा करने वाली भारत की पहली जिमनास्ट बनीं थीं। उन्होंने अपने सफर को लेकर कहा कि, जब मैं पीछे मुड़कर देखती हूं तो मुझे अपनी हर उपलब्धि पर गर्व महसूस होता है। विश्व मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करना, पदक जीतना और सबसे यादगार, रियो ओलंपिक में प्रोडुनोवा वॉल्ट का प्रदर्शन करना। हमेशा मेरे करियर के शिखर के रूप में याद किया जाएगा। ये पल सिर्फ मेरे लिए जीत नहीं थे, ये भारत की हर उस युवा लड़की की जीत थी जिसने सपने देखने की हिम्मत की, जिसने माना की कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प से कुछ भी संभव है।

2027 वनडे वर्ल्ड कप खेलेंगे रोहित शर्मा, बचपन के कोच ने किया बड़ा दावा

टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा के बचपन के कोच दिनेश लाड ने हिटमैन को लेकर बड़ा दावा किया है। दिनेश लाड ने कहा है कि, रोहित शर्मा भले ही वर्ल्ड टेस्ट चौंपियनशिप 2025 के फाइनल के बाद टेस्ट क्रिकेट से रिटायरमेंट ले लें, लेकिन 2027 के वनडे वर्ल्ड कप में वे खेलते हुए नजर आएंगे। उनका कहना है कि रोहित की उम्र बढ़ रही है और वह वनडे क्रिकेट पर फोकस करने के लिए टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट के बाद टेस्ट क्रिकेट से भी संन्यास ले सकते हैं। टी20 वर्ल्ड कप 2024 के बाद रोहित ने टी20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी थी। वहीं रोहित के बचपन के कोच दिनेश लाड ने दैनिक जागरण से बात करते हुए कहा कि, मैं ये नहीं कह रहा हूं कि आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चौंपियनशिप 2025 के फाइनल के बाद वे टेस्ट क्रिकेट से रिटायमेंट ले लेंगे। शायद रिटारयमेंट ले भी लें, क्योंकि जैसे–जैसे उनकी उम्र बढ़ रही है उसे देखते हुए ऐसा लग रहा है कि वह टेस्ट से संन्यास ले सकते हैं। इसका कारण ये भी हो सकता है कि वह वनडे क्रिकेट के लिए खुद को फिट रखना चाहते हों।

दबदबा बरकरार रखने उतरेगा भारत, बाजी पलटने की कोशिश करेगा बांग्लादेश

नई दिल्ली। पहले मैच में बड़ी जीत से उत्साहित भारतीय टीम बांग्लादेश के खिलाफ बुधवार को यहां होने वाले दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में अपना दबदबा बरकरार रखने के लिए मैदान पर उतरेगी। बांग्लादेश की टीम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करके तीन मैच की श्रृंखला को जीवंत बनाए रखने की कोशिश करेगी लेकिन सूर्यकुमार यादव की अगुवाई वाली भारतीय टीम ने पहले मैच में जिस तरह का प्रदर्शन किया था उसे देखते हुए मेहमान टीम के लिए यह आसान काम नहीं होगा।

ऋषभ पंत, अक्षर पटेल और जसप्रीत बुमराह जैसे प्रमुख खिलाड़ियों को विश्राम दिए जाने के बावजूद भारतीय टीम ने ग्वालियर में पहले मैच में जिस तरह से शुरू से लेकर आखिर तक अपना दबदबा बनाए रखा उससे सीमित ओवरों की क्रिकेट में उसकी मजबूत 'बेंच स्ट्रेंथ' का पता चलता है। भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन इस मैच में अपनी चमक बिखेरने के लिए आतुर होंगे। उन्होंने 2015 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया था लेकिन प्रदर्शन में निरंतरता नहीं होने के कारण वह अंदर बाहर होते रहे।

सैमसन अमूमन मध्यक्रम में बल्लेबाजी करते हैं लेकिन पहले मैच में उन्होंने पारी का आगाज किया था तथा 19 गेंद पर 29 रन बनाए थे। कप्तान सूर्यकुमार पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं कि सैमसन श्रृंखला में आगे भी यह भूमिका निभाते रहेंगे। सैमसन और उनके साथ पारी की शुरुआत करने वाले अभिषेक शर्मा पिछले मैच में अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में नहीं बदल पाए थे। यशस्वी जायसवाल और शुभमन गिल को विश्राम दिए जाने के कारण सैमसन और अभिषेक को यह मौका मिला है जिसका वह पूरा फायदा उठाना चाहेंगे।

पहले मैच में आसान जीत दर्ज करने वाली भारतीय टीम में किसी तरह के बदलाव की संभावना नहीं है। अपना पहला मैच खेल रहे तेज गेंदबाज मयंक यादव और ऑलराउंडर नीतीश रेड्डी ने ग्वालियर में अपना प्रभाव छोड़ा था। अर्शदीप सिंह ने तेज गेंदबाजी में अगुआ की भूमिका अच्छी तरह से निभाई थी जबकि स्पिनर वरुण चक्रवर्ती ने तीन साल के बाद सफल वापसी की थी।

भारतीय टीम में वॉशिंगटन सुंदर भी हैं जो रविंद्र जडेजा के टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद इस प्रारूप में ऑलराउंडर की जगह पर अपना दावा मजबूत करने की कोशिश करेंगे। जहां तक बांग्लादेश का सवाल है तो अगर उसे श्रृंखला को जीवंत बनाए रखना है तो उसे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। पहले मैच में उसके बल्लेबाजों ने टीम को खासा निराश किया।

बांग्लादेश के कप्तान नजमुल हुसैन शंटो ने मैच के बाद स्वीकार किया था कि उनके बल्लेबाज नहीं जानते कि 180 रन से अधिक का स्कोर कैसे बनाना है। उन्होंने हालांकि यह भी कहा था कि उनकी टीम ने बहुत खराब प्रदर्शन नहीं किया और वह वापसी करने में सक्षम है।

टीम इस प्रकार है–

भारत– सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), रिंकू सिंह, हार्दिक पंड्या, रियान पराग, नितीश कुमार रेड्डी, तिलक वर्मा, वाशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, वरुण चक्रवर्ती, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), अर्शदीप सिंह , हर्षित राणा, मयंक यादव।

बांग्लादेश– नजमुल हुसैन शंटो (कप्तान), तंजीद हसन तमीम, परवेज हुसैन इमोन, तौहीद हृदोय, महमूद उल्लाह, लिट्टन दास, जाकर अली अनिक, मेहदी हसन मिराज, महेदी हसन, रिशाद हुसैन, मुस्तफिजुर रहमान, तस्कीन अहमद, शोरिफुल इस्लाम, तंजीम हसन साकिब, रकीबुल हसन।

शीर्ष आठ शहरों में जुलाई–सितंबर तिमाही में आवासीय बिक्री में पांच प्रतिशत की गिरावट

नयी दिल्ली । देश के शीर्ष आठ शहरों में जुलाई–सितंबर तिमाही में आवासीय बिक्री में नई पेशकश में कमी तथा कीमतों में तेजी के कारण पांच प्रतिशत की गिरावट आई है। रियल एस्टेट 'ब्रोकरेज' मंच प्रॉपटाइगर डॉट कॉम ने भारत के आवासीय बाजार पर मंगलवार को 'रियल इनसाइट' नामक रिपोर्ट जारी की। प्रॉपटाइगर ऑस्ट्रेलिया की आरईए समूह का हिस्सा है। आरईए इंडिया के पास हाउसिंग डॉट कॉम का स्वामित्व है। रिपोर्ट के अनुसार, जुलाई–सितंबर में कुल 96,544 इकाइयां बेची गईं, जो 2023 में इसी अवधि के दौरान बेची गई 1,01,221 इकाइयों से पांच प्रतिशत कम है।

प्रमुख आठ बाजारों में पेश की गईं नई आवासीय इकाइयों की संख्या समीक्षाधीन अवधि में सालाना आधार पर 1,23,080 इकाइयों से 25 प्रतिशत घटकर 91,863 इकाई रह गई। प्रॉपटाइगर ने रिपोर्ट में मकान की कीमतों में तेज वृद्धि के सामर्थ्य को प्रभावित करने की बात को भी रेखांकित किया। शीर्ष आठ शहरों में कीमतों में औसतन करीब 20 प्रतिशत की वृद्धि हुई। आंकड़ों के अनुसार, केवल दिल्ली–राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में मकानों की बिक्री बढ़ी है। अन्य सात प्रमुख शहरों में गिरावट आई है। दिल्ली–एनसीआर में जुलाई–सितंबर के दौरान बिक्री सालाना आधार पर 29 प्रतिशत बढ़कर 10,098 इकाई हो गई। पिछले साल समान अवधि में यह 7,800 इकाई थी।

हालांकि, अहमदाबाद में बिक्री 10,305 इकाई से नौ प्रतिशत घटकर 9,352 इकाई, बेंगलुरू में 12,588 इकाई से 11 प्रतिशत घटकर 11,160 इकाई, चेन्नई में 3,874 इकाई से आठ प्रतिशत घटकर 3,560 इकाई, हैदराबाद में 14,191 इकाई से 19 प्रतिशत घटकर 11,564 इकाई और कोलकाता में बिक्री 3,607 इकाई से 22 प्रतिशत घटकर 2,796 इकाई रह गई। मुंबई महानगर क्षेत्र में समीक्षाधीन अवधि में आवासीय संपत्तियों की बिक्री 30,299 इकाइयों से एक प्रतिशत घटकर 30,010 इकाई रह गई।

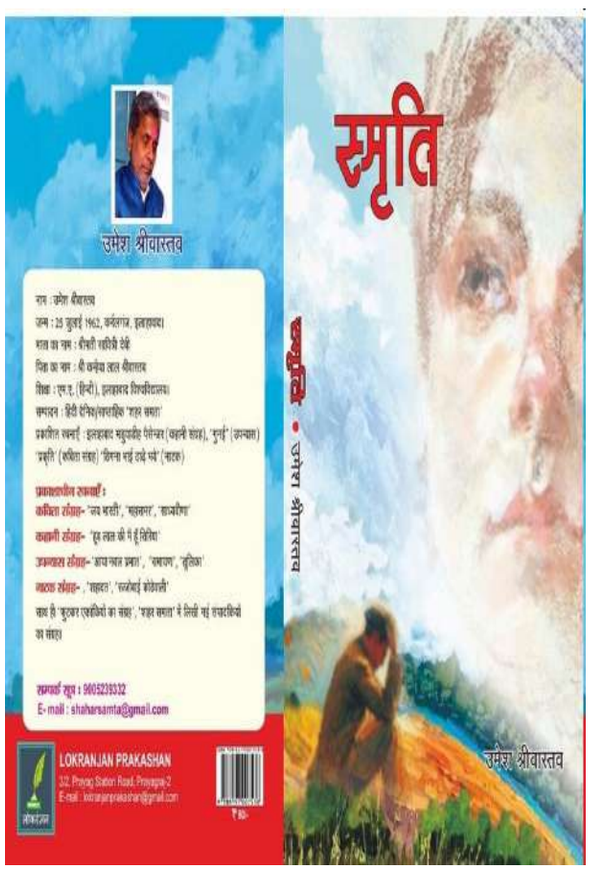

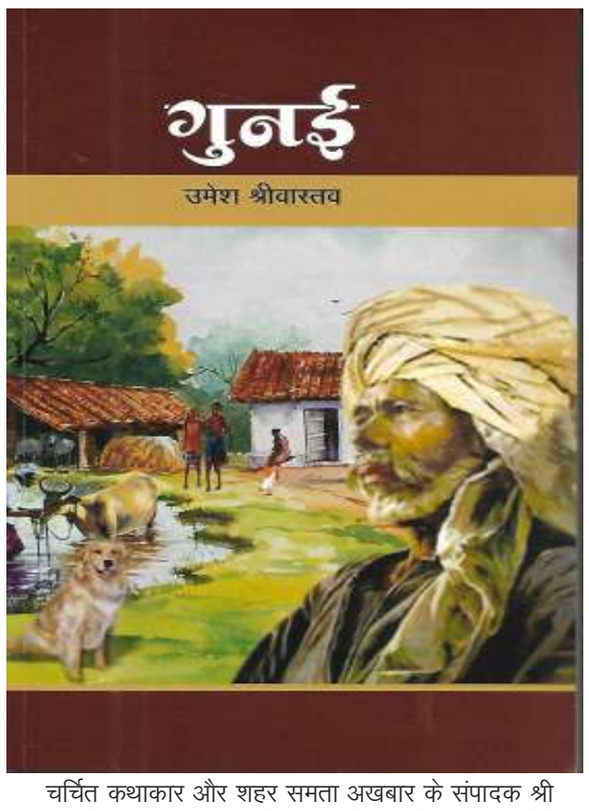

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

बाजारों में म्युचुअल फंडों की नई उड़ान, घरेलू निवेशक तय करेंगे बाजार की दिशा

नयी दिल्ली। भारतीय बाजारों में वित्त वर्ष की दूसरी छमाही की शुरुआत झटकों के साथ हुई है लेकिन घरेलू संस्थागत निवेशक, खासकर म्युचुअल फंड, आने वाले समय में बाजार की दिशा को तय कर सकते हैं। हाल के वर्षों में, म्युचुअल फंड ने विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की बिकवाली की भरपाई की है, जो वर्तमान में वैश्विक फंडों द्वारा लगभग 30,000 करोड़ रुपए की निकासी के बीच बेंचमार्क सूचकांकों को करीब 5 फीसदी गिरने से रोक रहे हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, म्युचुअल फंडों का सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) में लगातार वृद्धि और विविध निवेश के कारण शेयर बाजार को झटकों से बचाने में मदद मिल रही है। मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही में म्युचुअल फंडों का निवेश पिछले वित्त वर्ष के आंकड़े को पहले ही छू चुका है। सितंबर तक, म्युचुअल फंडों ने लगातार 17 महीनों से शुद्ध खरीदार बने रहने के साथ, 2.8 लाख करोड़ रुपये की शुद्ध इक्विटी खरीद की है।

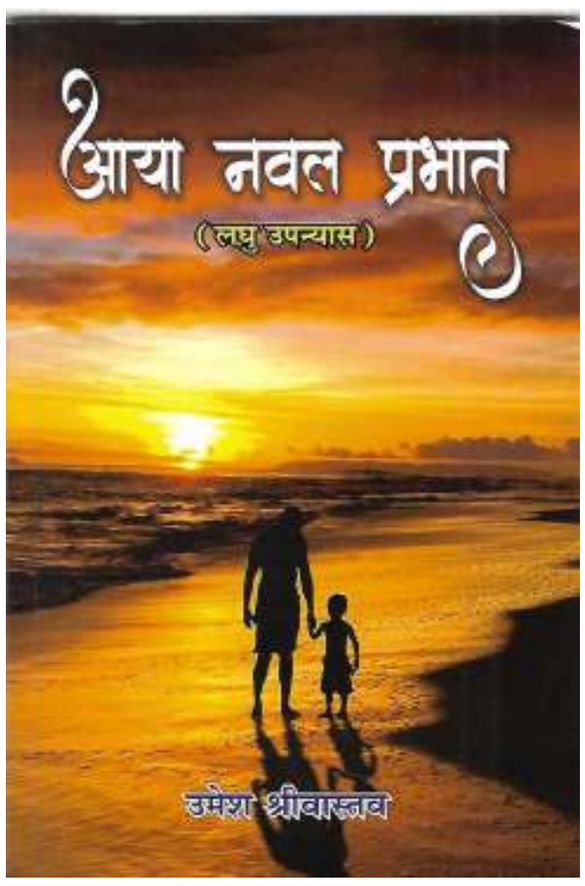

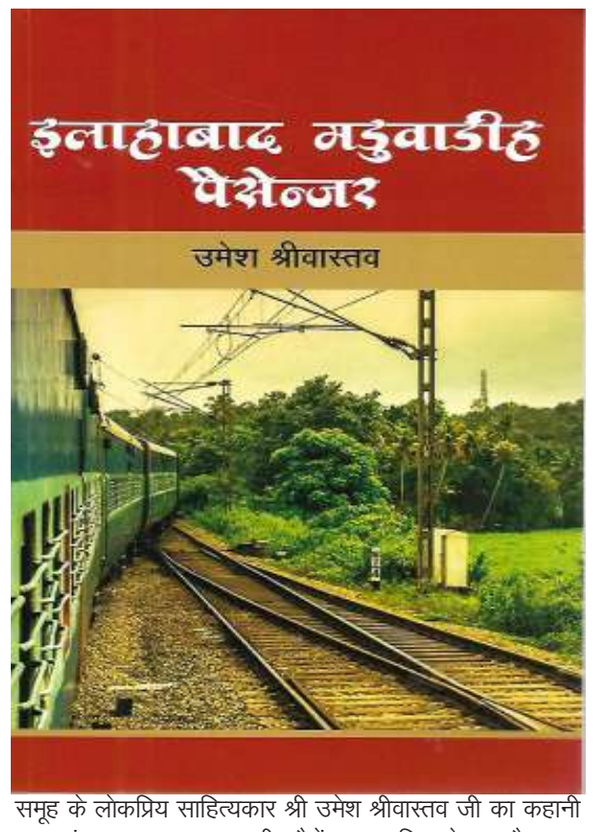

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

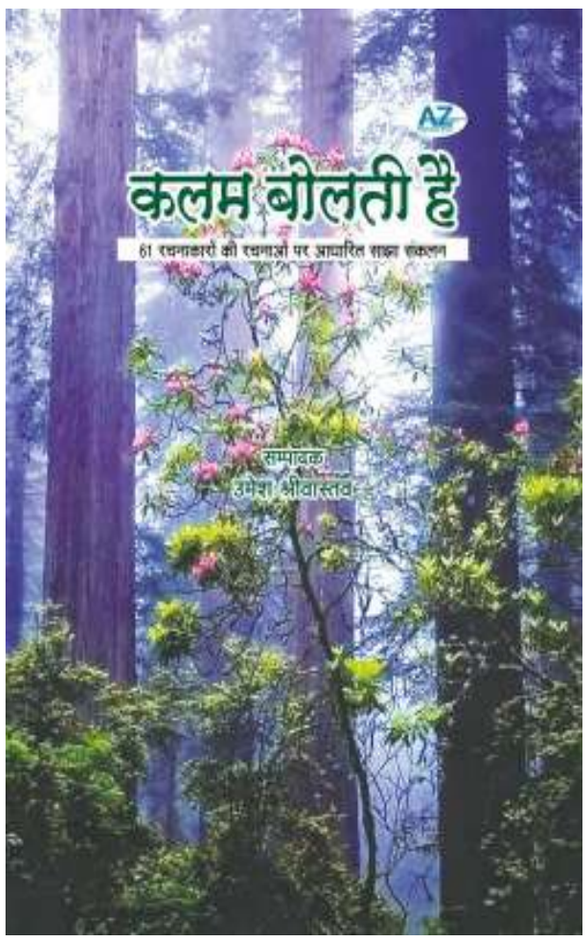

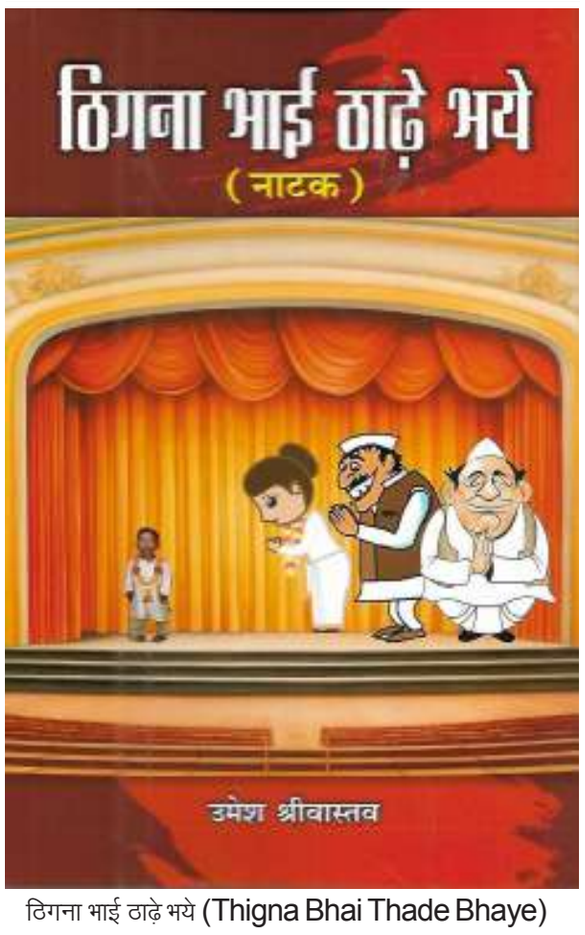

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

भारत के साथ रिश्तों... जयशंकर के दौरे पर अब क्या बोला पाकिस्तान ?

करांची। बलूच ने कहा कि इस यात्रा के संबंध में आधिकारिक तौर पर सूचना मिल गई है और वह सभी सदस्यों का स्वागत करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि द्विपक्षीय बैठकों के बारे

में आपके प्रश्न के संबंध में, मैं आपको 5 अक्टूबर को भारतीय विदेश मंत्री द्वारा की गई टिप्पणियों का संदर्भ देना चाहूंगी, जिसमें उन्होंने कहा था कि उनकी यात्रा एक बहुपक्षीय कार्यक्रम के लिए है, न कि पाकिस्तान–भारत संबंधों पर चर्चा करने के लिए। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने खुद कहा कि मैं इस महीने पाकिस्तान जाने वाला हूं और ये मेरी यात्रा एससीओ मीटिंग के मद्देनजर होगी। एस जयशंकर ने साफ कर दिया कि मैं बहुपक्षीय वार्ता में हिस्सा लूंगा। भारत और पाकिस्तान के संबंधों पर बात करने नहीं जा रहा। मैं एससीओ का एक जिम्मेदार सदस्य होने के नाते वहां जा रहा हूं। अब इसको लेकर पाकिस्तान की तरफ से भी प्रतिक्रिया सामने आई है। जयशंकर की यात्रा और भारत–पाकिस्तान संबंधों पर एक सवाल का जवाब देते हुए विदेश कार्यालय की प्रवक्ता मुमताज जहरा बलूच ने कहा कि आधिकारिक तौर पर अधिसूचना मिल गई हैष और वह सभी भाग लेने वाले सदस्यों का स्वागत करने के लिए तैयार है। बलूच ने कहा कि इस यात्रा के संबंध में आधिकारिक तौर पर सूचना मिल गई है और वह सभी सदस्यों का स्वागत करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि द्विपक्षीय बैठकों के बारे में आपके प्रश्न के संबंध में, मैं आपको 5 अक्टूबर को भारतीय विदेश मंत्री द्वारा की गई टिप्पणियों का संदर्भ देना चाहूंगी, जिसमें उन्होंने कहा था कि उनकी यात्रा एक बहुपक्षीय कार्यक्रम के लिए है, न कि पाकिस्तान–भारत संबंधों पर चर्चा करने के लिए। पुलवामा आतंकी हमले के जवाब में फरवरी 2019 में भारत के लड़ाकू विमानों द्वारा पाकिस्तान के बालाकोट में जैश–ए–मोहम्मद के आतंकवादी प्रशिक्षण शिविर पर बमबारी के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच संबंधों में तनाव आ गया था। पांच अगस्त, 2019 को भारत द्वारा जम्मू कश्मीर के विशेष दर्जे को वापस लेने और राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित करने की घोषणा के बाद संबंध और खराब हो गए। नयी दिल्ली द्वारा अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के बाद पाकिस्तान ने भारत के साथ राजनयिक संबंधों को कमतर कर दिया। भारत यह कहता रहा है कि वह पाकिस्तान के साथ सामान्य संबंध चाहता है, लेकिन इस तरह के संबंधों के लिए आतंक और शत्रुता से मुक्त वातावरण बनाने की जिम्मेदारी इस्लामाबाद की है।

अमेरिकी अदालत से गूगल को झटका, कंपनी को अपना एंड्रॉयड प्रतिद्वंदी एप स्टोर के लिए खोलने का निर्देश

वॉशिंगटन अमेरिका की अदालत से दिग्गज तकनीकी कंपनी गूगल को बड़ा झटका लगा है। दरअसल अदालत ने गूगल को अपना एंड्रॉयड स्मार्टफोन ऑपरेटिंग सिस्टम प्रतिद्वंदी एप स्टोर के लिए खोलने का आदेश जारी किया है। फोर्टनाइट बनाने वाले एपिक गेम्स ने गूगल के खिलाफ अदालत में विश्वास विरोधी मामला दायर कराया था। जिस पर कैलिफोर्निया की ज्यूरी ने माना कि गूगल अपने एंड्रॉयड प्ले स्टोर के जरिए एकाधिकार स्थापित करने की कोशिश कर रही है। ज्यूरी ने माना कि गूगल द्वारा विभिन्न रणनीतिक तरीकों से एंड्रॉयड फोन्स पर इसके एप स्टोर का एकाधिकार स्थापित किया जा रहा है। अदालत के इस फैसले के खिलाफ गूगल ने अपील की है। गौरतलब है कि इससे पहले अगस्त में ही एक अन्य मामले में भी गूगल को झटका लगा था, जब एक अन्य जज ने भी ये माना था कि गूगल एकाधिकार स्थापित कर रही है। गूगल को वर्जीनिया में भी ऑनलाइन विज्ञापन मामले में एक विश्वास विरोधी मामले का सामना करना पड़ रहा है। एपिक गेम्स वाले मामले में अदालत ने अपने आदेश में कहा है कि गूगल को अगले तीन वर्षों तक उन गतिविधियों से प्रतिबंधित कर दिया गया है, जो प्रतिस्पर्धा विरोधी हों। इन प्रतिबंधों के तहत गूगल को अपने राजस्व को भी प्रतिद्वंदी के साथ साझा करना होगा। जज ने तीन सदस्यों की सदस्यता वाली एक समिति बनाने का भी आदेश दिया है, जो आदेश को लागू होने पर अपनी नजर रखेगी।

कैस सैयद ने लगातार दूसरी बार जीता राष्ट्रपति चुनाव दूसरे कार्यकाल पर बोले- यह क्रांति की निरंतरता

ट्यूनिश। उत्तरी अफ्रीका के ट्यूनीशिया में राष्ट्रपति कैस सैयद ने एक बार फिर राष्ट्रपति पद के चुनाव में जीत हासिल की है। यह उनका दूसरा कार्यकाल होगा। ट्यूनीशिया के चुनाव के लिए स्वतंत्र उच्च प्राधिकरण (आईएसआईई) के प्रमुख ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सैयद ने 90.7 प्रतिशत वोट हासिल किए। पूर्व में कानून के प्रोफेसर रहे सैयद ने इस मौके पर कहा कि 2019 में जब वह पहली बार राष्ट्रपति बने थे तब उनके पास कोई राजनीतिक अनुभव नहीं था। लेकिन उन्होंने भ्रष्टाचार को खत्म करने और समानता को बढ़ावा देने के वादे पर वह चुनाव जीता था।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर. 9190052 39332
. 919450482227

खुमैनी की राह पर चलकर खामनेई ने नेतन्याहू को फंसा दिया, क्या नया फ्रंट खोलने से बच रहा

क्या इजराइल और ईरान के बीच भयानक युद्ध छिड़ने वाला है? पिछले दो दशकों के दौरान अक्सर इजराइल और ईरान के बीच सियासी सरगर्मियां तेज होते ही फिर ठंडी हो जाती है। हालाँकि, इस साल की शुरुआत तक ऐसा नहीं था कि इस्लामिक रिपब्लिक ने वास्तव में इजराइल पर सीधे हमला करने का फैसला किया था। ऑपरेशन ट्रू प्रॉमिस के तहत सीरिया के दमिश्क में ईरानी वाणिज्य दूतावास पर इजरायली हवाई हमले के कुछ महीने बाद ईरान ने 13–14 अप्रैल, 2024 की रात को इजरायली ठिकानों पर लगभग 300 बैलिस्टिक मिसाइलों, क्रूज मिसाइलों और आत्मघाती ड्रोनों की बौछार कर दी। हालांकि इजरायल पर ईरान के इस हमले से उसे कोई खास क्षति नहीं हुई और पहली नजर में हमला केवल इज्जत बचाने के लिए किया

गया सरीखा ही नजर आया। हमले का उद्देश्य कम से कम नुकसान पहुंचाना था। तेहरान ने ऑपरेशन ट्रू प्रॉमिस –2 के रूप में उन हमलों को दोहराने में कुछ हद तक कामयाब हो गई है।

ईरान में भी कई वरिष्ठ सरकारी पदों पर मोसाद के एजेंट होने की बात सामने आ रही है। इजरायली जासूसी प्रयासों को विफल करने के लिए स्थापित एक प्रमुख ईरानी खुफिया इकाई का प्रमुख वास्तव में एक इजरायली एजेंट था। यूनिट के प्रमुख के अलावा, डिवीजन के 20 अन्य खुफिया संचालक इजरायली एजेंसी मोसाद के एजेंट पाए गए।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, मोसाद के एजेंट तेहरान के एक गोदाम में घुस गए और छह घंटे के ऑपरेशन में तिजोरियां तोड़कर 100,000 से अधिक वर्गीकृत कागजात ले गए। मोसाद की घुसपैठ ने न केवल ईरान की आंतरिक कमजोरियों को उजागर किया है, बल्कि लेबनान में उसके प्रॉक्सी नेटवर्क की कमजोरियों को भी उजागर किया है। भले ही ईरान ने अपनी मिसाइलों से तेल अवीव में मोसाद मुख्यालय को निशाना बनाया हो। यह आशंका है कि ईरान की अपनी खुफिया और सुरक्षा तंत्र में मोसाद की संपत्ति की घुसपैठ हो सकती है। अहमदीनेजाद ने 2013 तक राष्ट्रपति के रूप में कार्य किया। साक्षात्कार के दौरान, उन्होंने आरोप लगाया कि यह स्पष्ट हो गया कि मोसाद के संचालन का मुकाबला करने वाली खुफिया इकाई का प्रभारी व्यक्ति स्वयं इजराइल का एक ऑपरेटिव था। ईरान के सर्वोच्च नेताअयातुल्ला अली खामेनेई ने हाल ही में तेहरान की ऐतिहासिक इमाम खुमैनी मस्जिद में एक भाषण दिया। रान के सर्वोच्च नेता ने देश के नाम पर अपने संबोधन की शुरुआत लोगों से एकजुट रहने की अपील के साथ की। उन्होंने कहा कि आप लोग अल्लाह के बताए रास्ते से नहीं हटे। मुसलमान एकजुट होकर रहना होगा। हमें प्यार मोहब्बत से रहना होगा। उनका उपदेश ईरानियों को उनके पूर्ववर्ती और इस्लामिक गणराज्य के संस्थापक, अयातुल्ला रूहुल्लाह मुसावी खुमैनी (1902–1989) की याद दिला सकता है, जो हमेशा दुनिया के मुसलमानों से इजराइल को नष्ट करने के लिए एकजुट होने का आग्रह करते रहे थे।

हिज्बुल्लाह एक शिया इस्लामी संगठन है, जिसे 1980 के दशक में लेबनान में शुरू किया गया था। यह संगठन मुख्य रूप से इस्राइल के खिलाफ संघर्ष के लिए बना था। धीरे–धीरे यह एक सशक्त राजनीतिक और सैन्य संगठन बन गया। इस संगठन को ईरान का समर्थन है। हालांकि इस्राइल समेत कई देश इसे एक आतंकी संगठन के तौर पर देखते हैं।

लेबनान में कूदा भारत, इजरायल, ईरान, अमेरिका सब रह गए हैरान

भारत ने इजरायल और ईरान के बीच संतुलन बनाकर दुनिया में ये साबित कर दिया कि वो अपने सभी दोस्तों के साथ खड़ा रहता है। इस बार भारत ने लेबनान को मेडिकल सहायता देने का फैसला किया। ये कदम अपने आप में बड़ी कूटनीतिक सफलता है। मध्य पूर्व में संघर्ष कोई नई बात नहीं है। लेकिन इस बार ये टकराव इजरायल और उसके पड़ोसी देशों के बीच बड़ी तेजी से बढ़ रहा है। इजरायल और लेबनान के हिजबुल्लाह के बीच के संघर्ष ने एक बड़ा रूप ले लिया है। इसके साथ इजरायल ईरान के खिलाफ भी लंबे समय से अपनी लड़ाई जारी रखे हुए है। लेकिन इन सब के बीच भारत ने संतुलित दृष्टिकोण अपनाया हुआ है। भारत ने न तो किसी पक्ष का समर्थन किया और न ही किसी से दुश्मनी मोल ली है। आपने देखा होगा कि हाल में कई पश्चिमी और यूरोपी देश इजरायल से दूरी बनाते जा रहे हैं। जी7 के सात देशों में केवल अमेरिका ही इजरायल का खुलकर समर्थन कर रहा और हथियारों की सप्लाई कर रहा।

कई देशों ने इजरायल के खिलाफ सख्त रूख अपनाते हुए हथियारों की सप्लाई पर रोक लगा दी है। आपको फ्रांस का हालिया वाक्या तो याद ही होगा जब राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने इजरायल को हथियारों की सप्लाई रोकने की बात कह दी थी। हालांकि इजरायल के सख्त रवैये के बाद फ्रांस के तेवर थोड़ नरम जरूर पड़ गए थे। भारत ने अपनी कूटनीति का परिचय देते हुए इजरायल और ईरान दोनों के साथ अपने संबंधों को संतुलित रखा है। इजरायल और हिजबुल्लाह के बीच संघर्ष में लेबनान के कई लोग घायल हुए। इस स्थिति को देखते हुए भारत ने लेबनान के लिए मेडिकल किट और अन्य मेडिकल उपकरण भेजना का फैसला किया। ये फैसला उसकी फ्रेंडशिप फर्स्ट नीति को दिखाता है जहां वो अपने दोस्त देशों की मदद करने से कभी पीछे नहीं हटता। लेबनान में भारत के इस कदम की तारीफ की जा रही है।

लेबनान के राजदूत ने भारत का आभार भी व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि ये मेडिकल सहायता न केवल एक मानवतावादी कदम है बल्कि ये दिखाता है कि भारत अपने दोस्तों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा रहता है। आपको याद होगा ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनई ने कहा है कि भारत में मुसलमानो का उत्पीड़न हो रहा है। उन्होने सोशल मीडिया एक्स पर यह बात कही और दुनियाभर के मुसलमानों के बीच एकजुटता की जरूरत बताई। लेकिन इसके बावजूद भारत ने अपनी प्रतिक्रिया में बेहद सधा हुआ बयान दिया।

इजरायल में ही कोई बड़ा खेल करने की फिराक में तो नहीं अमेरिका? बाइडेन को नेतन्याहू पर भरोसा नहीं

इजरायल बिना रुके बिना थमे लगातार हमास और हिजबुल्लाह को निशाना बना रहा है। गाजा के बाद उसका ताजा अटैकिंग प्वाइंट इन दिनों बेरूत बना हुआ है। इजरायल के हर कदम में अमेरिका उसके साथ मजबूती से खड़ा है। ईरान ने जब आधी रात को तेल अवीव में मिसाइलों की बौछार की तो बिना क्षण गंवाए व्हाइट हाउस ने बयान जारी कर दिया। बाइडेन ने साफ कहा कि इजरायल के हर सहयोग के लिए अमेरिका तैयार है। लेकिन इजरायल को लेकर जो रूख जो बाइडेन का है क्या वही रुख कमला हैरिस का भी होगा? ये सवाल ऐसे वक्त में और भी महत्वपूर्ण हो जाता है क्योंकि 5 नवंबर को अमेरिका में नए राष्ट्रपति के लिए चुनाव होना है। जो बाइडेन पहले ही रेस से बैकआउट कर चुके हैं। उनकी जगह वर्तमान सरकार में उनकी डिप्टी कमला हैरिस डेमोक्रेटिक राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार हैं, जिनका मुकाबला रिपब्लिकन डोनाल्ड ट्रंप से है।

अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस से पूछा गया कि क्या इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को संयुक्त राज्य अमेरिका का वास्तविक, करीबी सहयोगी माना जा सकता है, तो उन्होंने सीधा जवाब देने से परहेज किया। सीबीएस न्यूज को दिए 60 मिनट के इंटरव्यू में हैरिस से अमेरिका की तरफ से टेंशन को कम करने के आह्वान के बावजूद, नेतन्याहू के रुख में कोई नरमी नहीं देखी गई है। इजरायल के कदम की आलोचना के बीच भी गाजा और लेबनान पर उसके हमले बरकरार हैं। इस बाबत कमला हैरिस से सवाल किया गया। जिसके जवाब में हैरिस ने कहा कि अमेरिका इजरायल और पश्चिम एशिया के देशों के बीच युद्धविराम समझौते पर जोर दे रहा है।

यह पूछे जाने पर कि क्या अमेरिका अभी भी नेतन्याहू को वास्तविक, करीबी सहयोगी मानता है, हैरिस ने जवाब टाल दिया और कहा कि मुझे लगता है, पूरे सम्मान के साथ, बेहतर सवाल यह है कि क्या हमारे पास अमेरिकी लोगों और इजरायली लोग के बीच एक महत्वपूर्ण गठबंधन है। उस प्रश्न का उत्तर श्हाँश है। हैरिस की तरफ से ये प्रतिक्रिया अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन के बयान के बाद सामने आई है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने इजरायली राष्ट्रपति बेंजामिन नेतन्याहू के लिए कड़े शब्दों का प्रयोग किया. बाइडेन ने कहा कि उन्हें नहीं पता कि नेतन्याहू अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव के परिणाम को प्रभावित करने के लिए शांति समझौते को रोक रहे हैं या नहीं, मुझे नेतन्याहू पर भरोसा नहीं है।

365 दिन की जंग के बाद भी नहीं टूटी हमास की डिफेंस लाइन, 101 बंधकों को छुड़ाने में भी नाकाम

हमास इजरायल के जंग को एक साल पूरे हो गए हैं लेकिन आईडीएफ का ऑपरेशन अभी भी जारी है। सात अक्टूबर के दिन ही पिछले साल हमास ने इजरायल पर हमला किया था और उसके बाद इस्राइल ने हमास पर अटैक शुरू किया जो अब इस्राइल के लिए छह फ्रंट वॉर में तब्दील हो गया है। एक साल बाद हम पाते हैं कि इजरायल जिन घोषित लक्ष्यों के साथ युद्ध में गया था उनमें से एक भी हासिल नहीं कर पाया है। पिछले एक साल में इजरायल ने अपने दुश्मनों पर नकेल कसने में कुछ हद तक सफलता हासिल की है, लेकिन अपने युद्धों को निर्णायक अंत तक पहुंचाने में असफल रहा है। इजरायल सभी बंधकों को हमास के चंगुल से छुड़ाने में कामयाब नहीं रहा। इसका सबसे बड़ा कारण है कि इजरायल किसी भी समझौते पर तैयार नहीं हुआ। साथ ही हमास पर ऐसा सैन्य दबाव भी नहीं बनाया जा सका जिससे वह सरेंडर को मजबूर हो जाए। हमास पूरे गाजा के खंडहर बनने के बाद भी अभी एक गुरिल्ला संगठन की तरह काम कर रहा है। आम तौर पर अगर आतंकियों को सेना से नुकसान होता है तो वे आगे नहीं बढ़ते। बल्कि वह खुद को बचाने की कोशिश करते हैं। इस हिसाब से हमास का गाजा में खुद को बचाए रहना ही एक जीत है। यही कारण है कि याह्या सिनवार किसी भी सौदे पर तैयार नहीं होता। एक साल पहले आज ही के दिन सुबह ठीक साढ़े छह बजे जब हमास ने हमला शुरू किया था तो नोवा संगीत महोत्सव में मारे गए लोगों के परिवारजन उस स्थल पर एकत्रित हुए जहां करीब 400 लोगों को गोली मार दी गयी थी और कई अन्य लोगों को बंधक बना लिया गया था।

पाकिस्तान में चुन-चुनकर मारे जा रहे कश्मीरी

यूनाइटेड कश्मीर पीपुल्स नेशनल पार्टी (यूकेपीएनपी) ने आरोप लगाया कि पाकिस्तान में कश्मीरियों को चुन–चुनकर निशाना बनाया जा रहा। पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले कश्मीर (पीओजेके) में कश्मीरियों की रोज हत्याएं हो रही हैं। लेकिन अपराधी न तो गिरफ्तार किए गए और न ही पीड़ित परिवार की मदद के लिए कोई कदम उठाया जा रहा है। पीओजेके के समाहनी, भीम्बर निवासी चौधरी दानिश को हाल में पाकिस्तान के लाला मूसा इलाके में एक कारखाने में काम करने के दौरान गोली मार दी गई थी। इस घटना का जिक्र करते हुए यूकेपीएनपी के केंद्रीय प्रवक्ता सरदार नासिर अजीज खान ने एक बयान में कहा, पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले क्षेत्रों में कश्मीरियों की सुरक्षा गंभीर चिंता का विषय बन गई है। उन्होंने कहा, 2023 से अब तक पाकिस्तान के विभिन्न क्षेत्रों में दर्जनों कश्मीरी अपनी जान गंवा चुके हैं। नेपाल में हाल में आई बाढ़ और भूस्खलन से प्रभावित परिवारों के लिए भारत ने सोमवार को आपातकालीन राहत सामग्री की खेप सौंपी। काठमांडो में भारतीय दूतावास के अनुसार, भारत सरकार की ओर से राहत सामग्री बांके के मुख्य जिला अधिकारी खगेंद्र प्रसाद रिजाल को सौंपी गई। 4.2 टन राहत सामग्री की खेप में तिरपाल, स्लीपिंग बैग, कंबल, क्लोरीन की गोलियां और पानी की बोतलें भारत से नेपालगंज पहुंचाई गई। एक अमेरिकी कोर्ट ने गूगल का स्वामित्व रखने वाली कंपनी अल्फाबेट इंक को निर्देश दिया है कि मोबाइल एप कारोबार में बदलाव करे व एंड्राइड यूजर्स को एप डाउनलोड के मामले में ज्यादा विकल्प दे। सान फ्रांसिस्को के अमेरिकी जिला जज जेम्स डोनाटो ने उन बदलावों को भी स्पष्ट किया जो गूगल को अपने बेहद लाभदायक प्ले स्टोर कारोबार को ज्यादा प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए करने ही होंगे। इन बदलावों के बाद दुनिया के सबसे बड़े ऑनलाइन सर्च इंजन गूगल को अपने प्ले स्टोर पर विरोधी कंपनियों के एंड्राइड एप्स को भी जगह देनी होगी। डोनाटो ने पहले की सुनवाई में कहा था कि वह आदेश को लागू करने और निगरानी करने के लिए तीन सदस्यीय अनुपालन और तकनीकी समिति की स्थापना करेगा। 2020 में दायर एक मुकदमे में गूगल पर प्ले स्टोर तक एंड्राइड एप्स की पहुंच और इनके जरिये पैसे के लेन–देन के मामले में एकाधिकार का आरोप लगा था। जूरी ने सुनवाई के दौरान गूगल पर लगाए गए आरोप को सही पाया था।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।